यीशु पुकारते हैं

YEESHU PUKARTHE HEIN HINDI MONTHLY - FEBRUARY 2026
फरवरी 2026
VOL. 24 ISSUE 3 - 28 PAGES - RS. 21/-

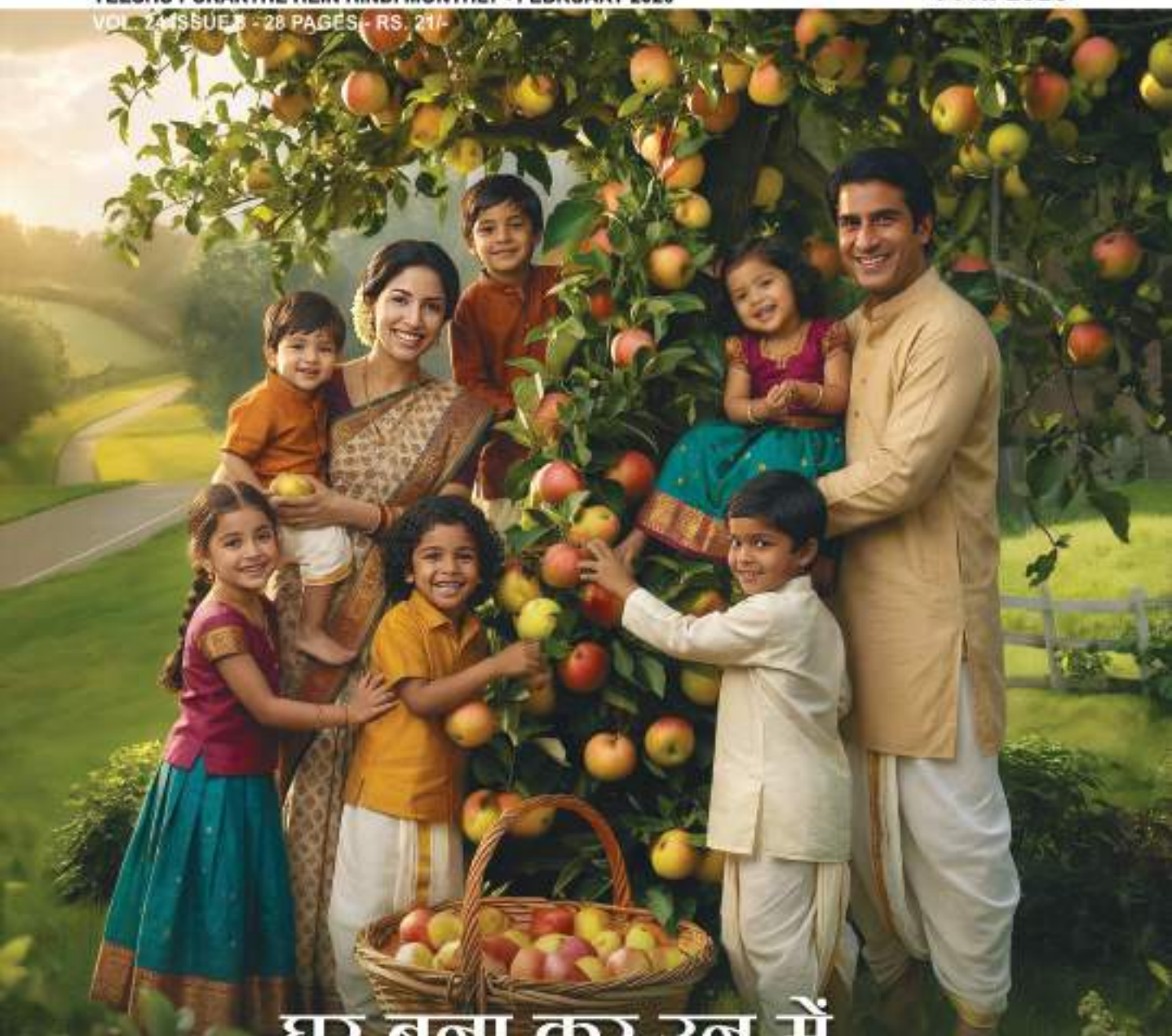

घर बना कर उन में बस जाओ; बारियां लगा कर उनके फल खाओ

(यिर्मयाह 29:5)

आनंद का संयुक्त उत्सव 2026

विशेष नव वर्ष सभा, जो 4 जनवरी 2025 को वाईएमसीए ग्राउंड्स, नंदनम, चेन्नई में आयोजित किया गया था, आध्यात्मिक रूप से परिपूर्ण वचन और आराधना की एक यादगार शाम थी, जिसने ईसाई एकता का उदाहरण प्रस्तुत किया। विभिन्न चर्चों, परंपराओं और संप्रदायों के लगभग 12,000 विश्वासी नव वर्ष 2026 के लिए परमेश्वर का मार्गदर्शन और प्रचुर आशीष प्राप्त करने के लिए एक हृदय और एक उद्देश्य के साथ एकत्रित हुए। लगभग 7 लाख दर्शकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन हमसे जुडकर हमारा साथ दिया।

शाम की शुरुआत पादरी अब्राहम थॉमस की प्रार्थना से हुई, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम के हर हिस्से को प्रभु को समर्पित किया। रेवरेंड डी मोहन ने एकजुट ईसाई मिशन और देश को परमेश्वर के समक्ष प्रस्तुत किया और आने वाले वर्ष में धार्मिकता के मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना की। बिशप कथिरोली मणिक्कम ने सभी चर्चों और सेवकाइयों के लिए 2026 में सम्मान की प्राप्ति और देश के पुनरुत्थान, चंगाई और दिव्य सुरक्षा के लिए मध्यस्थता की, क्योंकि विश्वासी परमेश्वर के राज्य के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। रेवरेंड जॉन एफ कालेब ने देश भर के संस्थानों और सामाजिक कल्याण मिशनों के लिए हार्दिक प्रार्थना की, और पादरी जोशुआ स्टीफन ने देश पर पवित्र आत्मा के प्रबल प्रवाह की कामना की। आरटी रेवरेंड ए पॉल फ्रांसिस रविचंद्रन ने प्रोत्साहन के शक्तिशाली शब्द साझा किए, और सभा को याद दिलाया कि जब लोग विश्वास में आगे बढेंगे तो प्रभु स्वयं उनके लिए लडेंगे। केक काटने के समारोह के दौरान हॉल आनंद से भर गया, जिसने उत्सव और सहभागिता के साथ नए साल 2026 का स्वागत किया।

रेवरेंड फादर कैथोलिक चर्च के एपिस्कोपल विकर पीटर थुमा और भाई मोहन सी लाजरस ने लोगों को आध्यात्मिक पुनरुत्थान के लिए प्रेरित किया और राज्य और राष्ट्र पर परमेश्वर की शांति, समृद्धि और राज्य के शासन के लिए प्रार्थना की। संपूर्ण कार्यक्रम का नेतृत्व पास्टर एल्विन थॉमस ने किया।

स्टेल्ला रमोला और डैनियल डेविडसन के नेतृत्व में आयोजित आराधना सत्र ने सभी के दिलों में परमेश्वर की स्तुति का भाव जगाया और उन्हें मसीह के अतुलनीय प्रेम की याद दिलाई। श्रीमती स्टेल्ला दिनाकरन ने नव वर्ष 2026 के लिए

परमेश्वर के लोगों पर आशीर्वाद की प्रार्थना की और शेरोन दिनाकरन ने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि 2026 सभी लोगों के लिए चमत्कारों का वर्ष होगा, और व्हीलचेयर पर बैठे लोगों और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीडति लोगों के लिए चंगाई और मुक्ति का आश्वासन दिया।

डॉ पॉल दिनाकरन ने परमेश्वर की घोषणा करते हुए पुष्टि की कि परमेश्वर का राज्य और उद्देश्य उसके के लोगों के लिए प्रत्येक घर, चर्च की सेवा और जीवन के सभी पहलुओं में स्थापित होगा। उन्होंने मिशन के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा करने के लिए बुलाए गए लोगों के लिए भविष्यवाणियों का भी उल्लेख किया। लोगों को उद्धार और चमत्कार प्राप्त हुए जिन्होंने एकत्रित लोगों के जीवन में परमेश्वर की शक्ति के कार्य की पुष्टि की। बहन इवेंजेलिन पॉल दिनाकरन ने करुणा के साथ प्रार्थना की कि प्रत्येक हृदय परमेश्वर की प्रेममयी आत्मा और अभिषेक से भर जाए और प्रत्येक जीवन उसके जीवित मंदिर के रूप में निर्मित हो।

सैमूएल दिनाकरन ने प्रार्थना की कि पवित्र आत्मा की असीम और विजयदायी शक्ति से सभी बंधन टूट जाएं और जीवन मजबूत हो जाएं। कार्यक्रम का समापन पास्टर सैम पी चेल्लादुरई की धन्यवाद प्रार्थना, परम आदरणीय डॉ लॉरेंस पियस दोरैराज की आशीर्वाद प्रार्थना और आदरणीय एस आनंद के आशीर्वाद के साथ हुआ। यह आयोजन आशा, एकता और ईश्वरीय कृपा की अपेक्षा से परिपूर्ण था, जिसने प्रार्थनापूर्ण एकजुटता की नींव पर नव वर्ष 2026 का शुभारंभ किया।

उठे और गरजे

परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रार्थना

प्यारे स्वर्गिक पिता, आप मेरे प्रति अपने प्रेम के लिए धन्यवाद देते हैं। मुझे विश्वास है कि आपने मेरे भविष्य के लिए महान योजनाएँ बनाई हैं। जैसे ही मैं अपनी परीक्षाएँ लिखने के लिए तैयार हो रहा हूँ, मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप मेरे हृदय में आएँ और इसे अपना घर बनाएँ। मुझ पर दया करें और मेरे सभी गलत कामों को क्षमा करें। मेरे मन, मेरी आत्मा और मेरे शरीर को शुद्ध करें और मुझे अपनी संतान बनाएँ। कृपया सदा मेरे साथ रहें और मुझे महान कार्य करने के लिए मार्गदर्शन करें। मुझे अपनी बुद्धि, ज्ञान, समझ, एकाग्रता और स्मृति से भर दें और मुझे विवेकशील हृदय प्रदान करें (कुलुस्सियों 2:3, याकूब 1:17, लूका 2:52)। मुझे अपनी पढाई और परीक्षा की तैयारी में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायता करें। मुझे अच्छा स्वास्थ्य, दिव्य शक्ति और हर बात में मन की शांति प्रदान करें। मैं प्रार्थना करता हूँ कि जब मैं अपनी परीक्षाएँ लिखूँ तो आपका हाथ मुझ पर रहे। मुझे हर परीक्षा में बडी सफलता प्रदान करें। मुझे देश में सर्वोच्च स्थान दिलाकर अपने प्रेम का साक्षी बनाइए (यहोशू 1:9, यशायाह 58:14 और इब्रानियों 3:4)।

मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं आपका प्रेम सभी के साथ साझा करूँगा। मैं आपसे प्रेम करता हूँ, यीशु। मैं आपको सारी महिमा देता हूँ। यीशु के नाम में, आमीन।

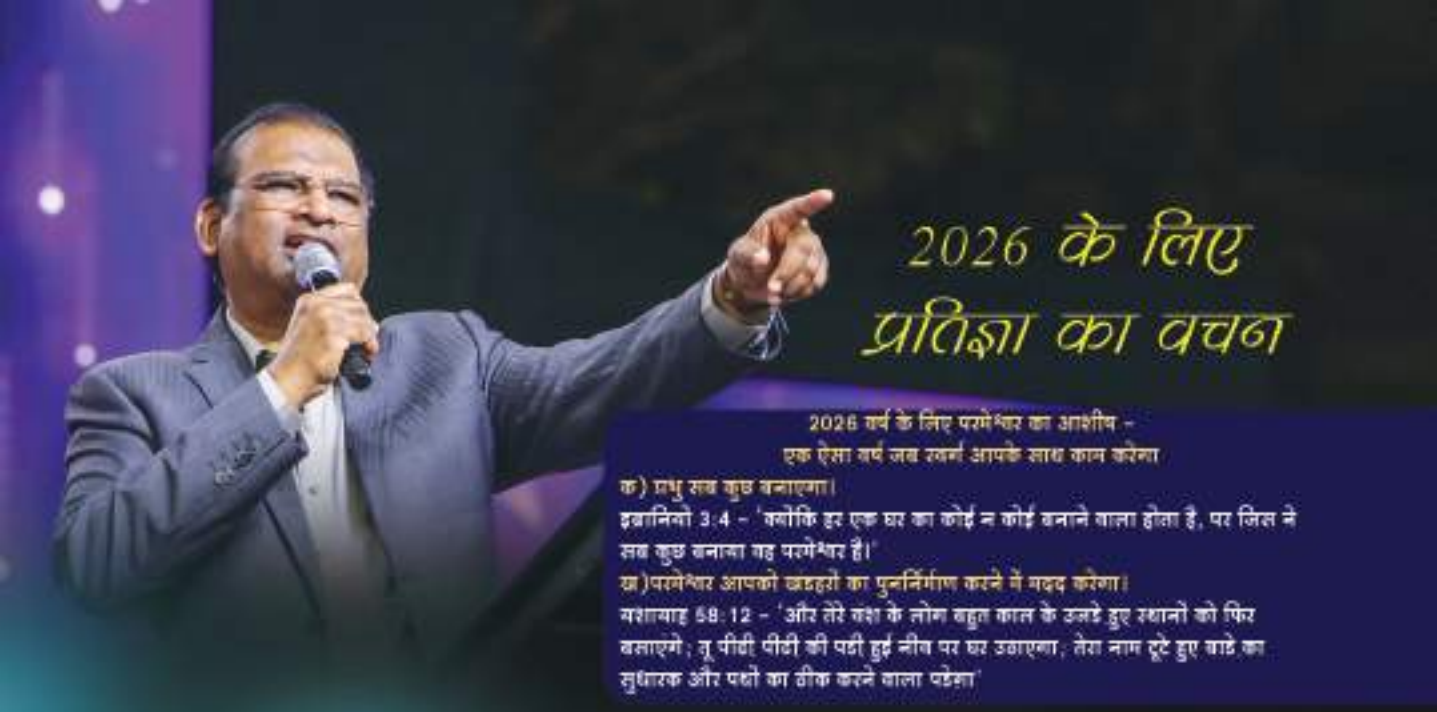

2026 के लिए प्रतिज्ञा का वचन

2026 वर्ष के लिए परमेश्वर का आशीष -
एक ऐसा वर्ष जब स्वर्ग आपके साथ काम करेगा

क) प्रभु सब कुछ बनाएगा।
इब्रानियों 3:4 - 'क्योंकि हर एक घर का कोई न कोई बनाने वाला होता है, पर जिस ने सब कुछ बनाया वह परमेश्वर है।'
ख)परमेश्वर आपको खंडहरों का पुनर्निर्माण करने में मदद करेगा।
यशायाह 58:12 - 'और तेरे वंश के लोग बहुत काल के उजड़े हुए स्थानों को फिर बसाएंगे; तू पीढ़ी पीढ़ी की पड़ी हुई नींव पर घर उठाएगा; तेरा नाम टूटे हुए बाड़े का सुधारक और पथों का ठीक करने वाला पड़ेगा'

इन आशीषों के आधार पर, डॉ पॉल दिनाकरन ने वर्ष 2026 के लिए परमेश्वर की योजना को साझा किया, जो उन्हें इस प्रकार प्रकट हुई:

1. परमेश्वर आपको अपने मंदिर के रूप में पुनर्निर्मित करेगा, आपको पवित्र बनाएगा और आपको एक जीवित बलिदान के रूप में प्रस्तुत करेगा जो परमेश्वर को प्रसन्न करता है। (1 कुरिन्थियों 3:16; 6:19; रोमियों 12:1-2)
2. परमेश्वर आपके घर और आपके परिवार के सदस्यों को उद्धार प्रदान करेगा। वह टूटे हुए रिश्तों को सुधारेगा और आपके घर में शांति बहाल करेगा। वह आपके घर के हर सदस्य पर अपनी आत्मा उंडेल देगा। (प्रेरितों 16:31; 1 कुरिन्थियों 7:14; प्रेरितों 2:17)
3. परमेश्वर मसीह के नाम को धारण करने वाले सभी लोगों के बीच हृदय और उद्देश्य की एकता उत्पन्न करेगा, और वह अपने सेवकों के बीच अच्छे और मनभावन रिश्ते स्थापित करेगा। पवित्र आत्मा पूरी कलीसिया पर उंडेल दिया जाएगा। (भजन संहिता 133:1-2)
4. परमेश्वर आपको पवित्र आत्मा के वरदानों का उपयोग करके उसकी सेवा करने में सक्षम बनाएगा और आपके द्वारा चमत्कार करेगा, जिससे मसीह का स्वरूप प्रकट होगा। (प्रेरितों 10:38; 1 कुरिन्थियों 12:8-10; 2 कुरिन्थियों 3:18)
5. परमेश्वर अपनी भविष्यवाणी संबंधी कृपा पादरियों, मीडिया प्रचारकों, गायकों, दीन-हीनों की सेवा करने वालों, व्यापारियों, उद्यमियों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, वकीलों, जन अधिकारों के लिए लड़ने वाले कार्यकर्ताओं और कानूनों एवं नियमों को लागू करने वालों के माध्यम से प्रदान करेगा। (प्रकाशितवाक्य 10:11: तुझे बहुत से लोगों, और जातियों, और भाषाओं, और राजाओं पर, फिर भविष्यद्वाणी करनी होगी।')
6. परमेश्वर आपका नाम, पद, प्रतिष्ठा और संपत्ति फिर से स्थापित करेगा। वह आपका घर बनाएगा और आपके सेवकाई, व्यापार और संस्थानों की संरचना को मजबूत करेगा। (यिर्मयाह 31:4; 2 शमूएल 7:11)
7. परमेश्वर अपने सेवकों को दिव्य सुरक्षा प्रदान करेगा। (जकर्याह 2:5)
8. परमेश्वर पूरे देश में सुसमाचार प्रचार करने के द्वार फिर से खोलेगा और आपको चेले बनाने का आदेश देगा। (मत्ती 28:19-20)

विश्वास करें, प्रार्थना करें और परमेश्वर की महिमा के लिए इन भविष्यवाणियों की पूर्ति की ओर अग्रसर होवें

RISE & ROAR

CHENNAI YOUTH FEST 2026 REPORT

चेन्नई यूथ फेस्ट 2026 - रिपोर्ट

चेन्नई यूथ फेस्ट, जो 3 जनवरी 2026 को वाईएमसीए ग्राउंड, नंदनम, चेन्नई में आयोजित किया गया था, शहर भर के युवाओं के लिए एक जीवंत और आध्यात्मिक रूप से स्फूर्तिदायक आयोजन था। हजारों लोगों ने व्यक्तिगत रूप से और यूट्यूब के माध्यम से ऑनलाइन भाग लिया, रचनात्मकता, भाईचारे और परमेश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण को प्रोत्साहित करने के लिए एकजुट हुए। दोपहर 3:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक, बाइबल प्रतियोगिता, समूह और एकल प्रदर्शन, रस्साकशी, कहूट, स्टैंड-अप कॉमेडी और लकी डिप सहित मनोरंजक खेलों और प्रतिभा प्रतियोगिताओं ने आनंद और सौहार्द का माहौल बनाया। शाम के सत्र की शुरुआत पास्टर जस्टिन सैमूएल की प्रार्थना से हुई, जिसके बाद पास्टर बेनी जोशुआ के नेतृत्व में एक प्रेरणादायक आराधना हुई। कारुण्या इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज के छात्रों ने पवित्र जीवन और ईश्वरीय मूल्यों पर जीवन के पुनर्निर्माण पर एक सशक्त नाटक प्रस्तुत किया। इसके बाद आराधना के अगुवा स्टेल्ला रमोला और डैनियल डेविडसन ने सभा को स्तुति के एक पवित्र समय में ले गए।

भाई सैमूएल दिनाकरन का मुख्य संदेश यशायाह 60:22 पर आधारित था, जिसमें उन्होंने वफादारी और ईमानदारी पर जोर दिया और युवाओं से आग्रह किया कि वे शॉर्टकट न अपनाएं और सत्य की आत्मा में चलें (यूहन्ना 16:13)। मत्ती 25:21 और 1 पतरस 4:10 का हवाला देते हुए, उन्होंने उन्हें याद दिलाया कि परमेश्वर जिन्हें बुलाता है, उनकी योग्यता का ध्यान रखता है। इसके बाद कई प्रभावशाली गवाहियाँ हुईं:

⁂टोंडियारपेट की बहन एंड्रिया ने गवाही दी कि उन्हें एक अप्रतिरोध्य अभिषेक प्राप्त हुआ और उन्होंने पहली बार अन्य भाषाओं में बोलना शुरूकिया, जैसा कि भाई सैमूएल दिनाकरन ने प्रेरितों के काम 2:17 में भविष्यवाणी के रूप में कहा था। ⁂एक अन्य बहन ने गवाही दी कि पिछले साल पैर की सर्जरी और आत्महत्या के प्रयास के बाद, वह तेजी से चल नहीं पा रही थीं और उन्होंने उम्मीद खो दी थी, लेकिन जब उसने आराधना शुरूकी, तो वह चलने में सक्षम हो गई और उस ने अपना जीवन परमेश्वर को समर्पित कर दिया।प्रभु की सेवा में जीवन समर्पित। ⁂बहन वर्षा ने बताया कि परमेश्वर ने भाई सैमूएल दिनाकरन के माध्यम से उनसे बात की और उन्हें राज्य परीक्षा में अच्छे अंक, पारिवारिक पुनर्स्थापन और मार्च में होने वाली परीक्षाओं की तैयारी के दौरान उनके जीवन में पूर्ण परिवर्तन का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम का समापन लकी ड्रॉ और प्रार्थना के साथ हुआ, जिसमें कई युवाओं ने इस वर्ष से जीवन के हर क्षेत्र में यीशु को प्रतिबिंबित करने और नए सिरे से जागृत होने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

प्रार्थना का उत्तर कैसे प्राप्त करें

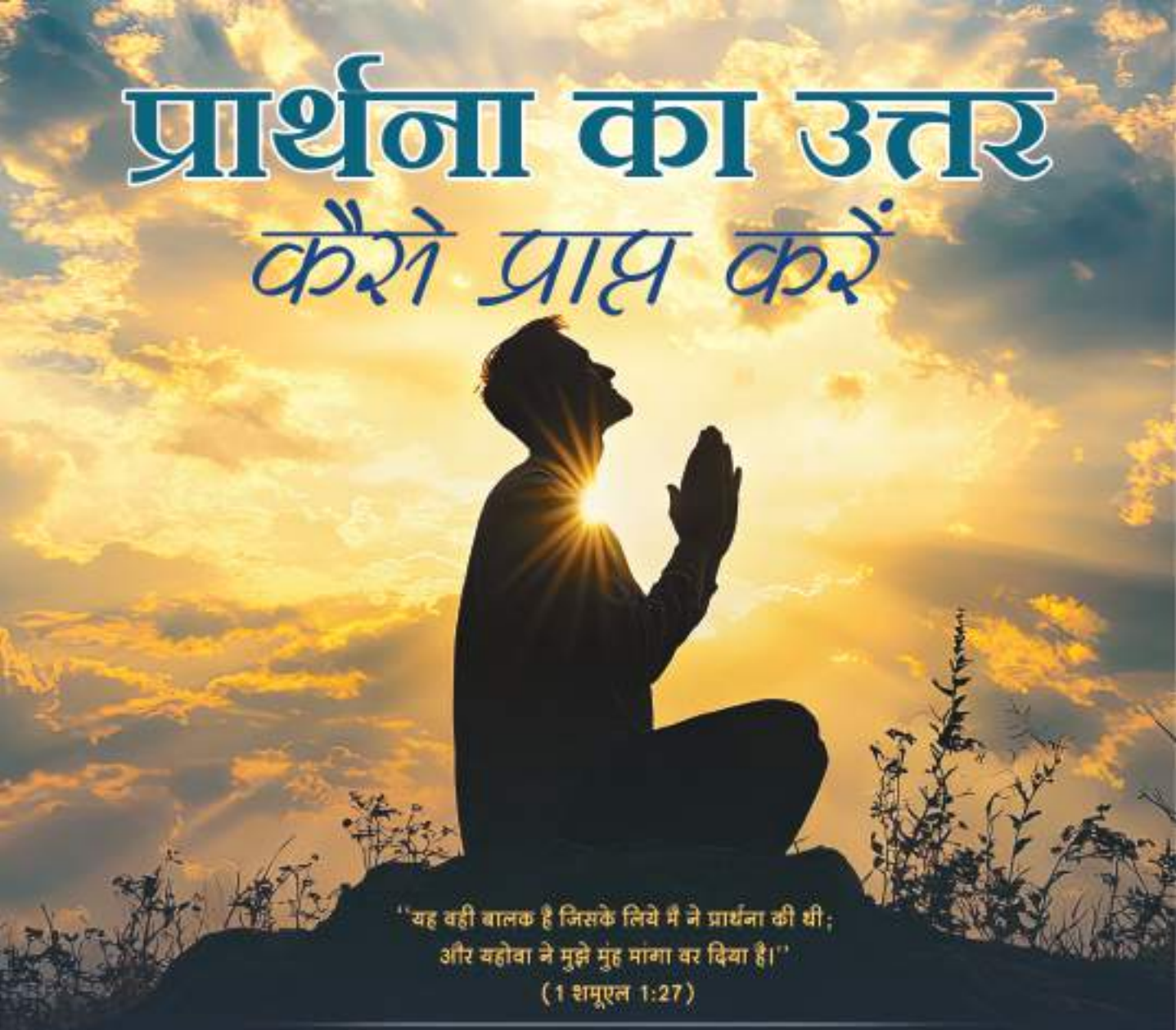

प्रिय मित्र, इस महीने परमेश्वर आपसे प्रतिज्ञा करते हैं कि वे आपके हृदय की प्रार्थनाओं को पूरा करेंगे। प्रार्थना हमारे स्वर्ग में रहने वाले प्रेममय पिता और उनके आश्रित बच्चों के बीच एक जीवंत संवाद है। यह केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं है। पीढ़ियों से, विश्वासी आँसू बहाते हुए घुटने टेकते रहे हैं, आशा से फुसफुसाते रहे हैं, और हताशा में पुकारते रहे हैं, यह विश्वास करते हुए कि परमेश्वर सुनते हैं। फिर भी, प्रार्थनाओं के उत्तर मिलने की गवाहियों के साथ-साथ, कुछ अनकहे प्रश्न भी हैं: परमेश्वर कुछ प्रार्थनाओं का उत्तर क्यों देते हैं और दूसरों का नहीं? पवित्रशास्त्र हमें भ्रम में नहीं छोडता। इसके बजाय, यह हमें कोमलता से सिखाता है कि प्रार्थना सबसे सहजता से तब प्रवाहित होती है जब विश्वासी का हृदय, विश्वास, वचन, इच्छा, जीवन और उद्देश्य परमेश्वर के साथ सरेखित होते हैं। आइए, उन प्रार्थनाओं पर मनन करें जिनका उत्तर परमेश्वर देते हैं।

सही इरादे से की गई प्रार्थना याकूब 4:3 कहता है, 'तुम मांगते हो और पाते नहीं, इसलिये कि बुरी इच्छा से मांगते हो, ताकि अपने भोग विलास में उडा दो। 'पवित्र शास्त्र हमें जो पहला पाठ सिखाता है, वह हमारी प्रार्थना के पीछे के इरादे के बारे में है, क्योंकि परमेश्वर न केवल इस बात से चिंतित है कि हम क्या मांगते हैं, बल्कि इस बात से भी कि हम क्यों मांगते हैं। यीशु ने अपने शिष्यों को साहसपूर्वक मांगने के लिए प्रोत्साहित किया, यह प्रतिज्ञा करते हुए कि पिता अच्छे वरदान देने में प्रसन्न होते हैं। फिर भी याकूब की पुस्तक यह स्पष्ट करती है कि स्वाथी महत्वाकांक्षा या व्यक्तिगत भोग-विलास से प्रेरित प्रार्थनाएँ अक्सर अनुत्तरित रह जाती हैं, क्योंकि वे परमेश्वर के हृदय से जुडी नहीं होतीं। 1 शमूएल

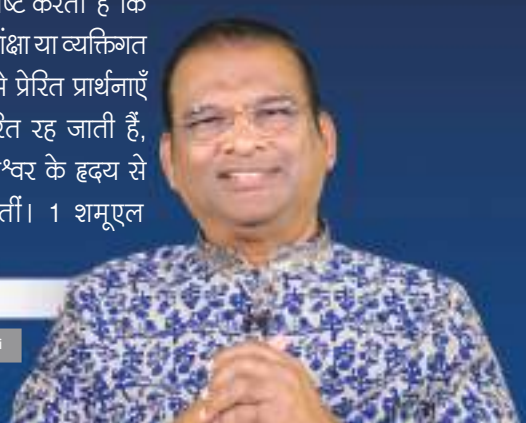

डॉ पॉल दिनाकरन - paul@jesuscalls.org

अध्याय 1 और 2 में हन्ना की कहानी सही इरादे से की गई प्रार्थना का सुंदर उदाहरण है। वर्षों के बांझपन ने उसके मनोबल को तोड.दिया था, लेकिन कडवाहट को अपने विश्वास पर हावी होने देने के बजाय, उसने अपना दुख प्रभु के सामने प्रकट किया। उसकी विनती अत्यंत व्यक्तिगत थी, फिर भी पूरी तरह से समर्पित थी। उसने केवल सामाजिक दबाव या भावनात्मक लालसा को संतुष्ट करने के लिए संतान नहीं चाही; वह एक ऐसे पुत्र की कामना करती थी जिसे वह स्वेच्छा से परमेश्वर को सौंप सके। जब शमूएल का जन्म हुआ, तो हन्ना ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की। उसकी खुशी इसलिए पूर्ण नहीं थी कि उसे कोई चमत्कार प्राप्त हुआ था, बल्कि इसलिए पूर्ण थी क्योंकि इसके माध्यम से परमेश्वर का सम्मान हुआ था।

प्रेरितों के काम 8:9-24 में वर्णित जादूगर साइमन की कहानी इसके बिल्कुल विपरीत है। यद्यपि उसने परमेश्वर की शक्ति देखी, फिर भी उसकी इच्छा आत्म-प्रशंसा पर आधारित थी। वह आत्मिक समर्पण के बिना आत्मिक अधिकार चाहता था। उसकी प्रार्थना अस्वीकार कर दी गई, जिससे एक अनंत सत्य प्रकट हुआ: परमेश्वर कभी भी ऐसे उद्देश्यों को शक्ति नहीं देता जो उसके स्वभाव के विपरीत हों। चेन्नई की अंजली के जीवन में भी ऐसा ही समर्पण देखने को मिला।

जब अचानक बुखार जानलेवा हो गया और डॉक्टरों ने कहा कि उसके पास जीने के लिए एक घंटे से भी कम समय बचा है, तो उसके परिवार को असहनीय निराशा का सामना करना पडा। उसके तीनों बच्चे, व्याकुल होते हुए भी आशावान, परमेश्वर से प्रार्थना करने लगे। सबसे छोटे बच्चे ने एक सरल लेकिन गहन प्रार्थना की, जिसमें उसने सांत्वना की भीख नहीं मांगी, बल्कि यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन में परमेश्वर की महिमा की गवाही देने का वादा किया। शुद्ध हृदय से निकली उस प्रार्थना का उत्तर तुरंत मिल गया। अंजली चंगी हो गई, और परिवार परमेश्वर की दया की सार्वजनिक गवाही देने के लिए वापस लौट आया। यह चमत्कार केवल शारीरिक स्वास्थ्य लाभ ही नहीं था, बल्कि यह एक प्रकाशन था कि परमेश्वर अपनी महिमा के लिए की गई प्रार्थनाओं का उत्तर देता है।

विश्वास की प्रार्थना

'जो कुछ तुम प्रार्थना में विश्वास से मांगोगे वह सब तुम को मिलेगा' (मत्ती 21:22)

प्रेरणा से परे, पवित्रशास्त्र प्रार्थना में विश्वास की भूमिका पर जोर देता है। विश्वास अंधा आशावाद नहीं है; यह परमेश्वर के स्वभाव पर दृढ.विश्वास है। यीशु ने बार-बार उन लोगों को याद दिलाया जो विश्वास के साथ उनके पास आए थे कि विश्वास उत्तरों का द्वार खोलता है। विश्वास के बिना प्रार्थना मात्र शब्द बन जाती है, परन्तु विश्वास में निहित प्रार्थना स्वर्ग और पृथ्वी को जोडती है।

'और जब हम जानते है, कि जो कुछ हम मांगते है वह हमारी सुनता है, तो यह भी जानते है, कि जो कुछ हम ने उस से मांगा, वह पाया है।' (1 यूहन्ना 5:15)

एक मार्मिक सुसमाचार कथा एक पिता की है जो अपने पीडति पुत्र को यीशु के पास लाया (मरकुस 9:14-29)। आशा और संदेह के बीच फंसा हुआ वह व्यक्ति पुकार कर बोला, 'हे प्रभु, मैं विश्वास करता हूं, मेरे अविश्वास का उपाय कर।' यीशु ने उसे अस्वीकार नहीं किया। इसके बजाय, उसने उस नाजुक परन्तु सच्चे विश्वास का सम्मान किया और बच्चे को छुडाया। यह घटना विश्वासियों को आश्वस्त करती है कि विश्वास के लिए पूर्णता की नहीं, बल्कि केवल निर्भरता की आवश्यकता होती है।

तिरुवल्लूर की बहन शीबा कार्तिका रानी ने अपने जीवन के एक कठिन दौर में इस जीवन-परिवर्तनकारी विश्वास का अनुभव किया। एक छात्रा के रूप में, उसे शैक्षणिक दबाव और आर्थिक तंगी दोनों का एक साथ सामना करना पडा। हर परीक्षा से पहले, वह परमेश्वर की प्रतिज्ञा पढती और इस विश्वास के साथ परीक्षा कक्ष में प्रवेश करती कि जिस प्रभु ने उसे बुलाया है, वही उसका सहारा भी बनेगा। जब एक अप्रत्याशित आर्थिक संकट के कारण उनकी उच्च शिक्षा खतरे में पड गई, तो उसने डर के आगे झुकने से इनकार कर दिया। उसे एक ही दिन में 53,000 रुपये चुकाने थे। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें और उसने तुरंत प्रार्थना के लिए तिरुवल्लूर प्रार्थना केंद्र से संपर्क किया। जिस दिन अंतिम समय सीमा नजदीक आ रही थी, उसी दिन परमेश्वर ने एक रिश्तेदार को उसकी कल्पना से कहीं अधिक मदद करने के लिए प्रेरित किया। उसकी गवाही एक शक्तिशाली सत्य को दर्शाती है: विश्वास से भरी प्रार्थना हमेशा चुनौतियों को दूर नहीं करती, लेकिन यह हमेशा सही समय पर परमेश्वर की कृपा प्रदान करती है।

परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर भरोसा करते हुए प्रार्थना

'यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरी बातें तुम में बनी रहें तो जो चाहो मांगो और वह तुम्हारे लिये हो जाएगा।'

(यूहन्ना 15:7)

प्रार्थना को परमेश्वर के वचन के साथ तालमेल बिठाने से भी शक्ति मिलती है। बाइबल प्रार्थना से अलग नहीं है; यह प्रार्थना का आधार है। जब विश्वासी पवित्रशास्त्र में लीन हो जाते हैं, तो उनकी प्रार्थनाएँ परमेश्वर के अपनी प्रतिज्ञाओं की प्रतिध्वनि करने लगती हैं। यीशु ने इस सत्य की पुष्टि करते हुए सिखाया कि जो लोग उसमें बने रहते हैं और उसके वचनों को अपने भीतर बसने देते हैं, उनकी प्रार्थनाएँ पूरी होंगी।

'इसलिये पहिले तुम उसे राज्य और धर्म की खोज करो तो ये सब वस्तुएं भी तुम्हें मिल जाएंगी।' (मत्ती 6:33)

मरियम और मार्था के बीच का अंतर एक सार्थक चित्र प्रस्तुत करता है। जहाँ मार्था गतिविधियों में व्यस्त थी, वहीं मरियम ने ध्यान लगाना चुना। वह यीशु के चरणों में बैठी, उसके वचनों को आत्मसात कर रही थी, और उन्हें अपने जीवन के लक्ष्यों को निर्धारित करने दे रही थी। उसकी मुद्रा स्वर्ग के साथ जुड़े हृदय को दर्शाती थी। यीशु ने उससे कहा, 'परन्तु एक बात अवश्य है, और उस उत्तम भाग को मरियम ने चुन लिया है: जो उस से छीना न जाएगा' (लूका 10:42)

इसी प्रकार, राजा योशिय्याह की परमेश्वर के वचन के प्रति भक्ति ने राष्ट्र के नवीनीकरण का मार्ग प्रशस्त किया। जब पवित्रशास्त्र इच्छाओं को नियंत्रित करता है, तो प्रार्थना शक्तिशाली हो जाती है। जब उनके शासनकाल में मंदिर में व्यवस्था की पुस्तक मिली, तो योशिय्याह ने न तो उसकी उपेक्षा की और न ही केवल उसकी प्रशंसा की; उसने स्वयं को दीन बनाया, पश्चाताप में अपने वस्त्र फाड़ डाले और अपने हृदय को परमेश्वर के वचनों के अनुरूप कर लिया (2 राजा 22:8-13)। उसने लोगों को एकत्रित किया, सार्वजनिक रूप से वचन पढ़ा और राष्ट्र को प्रभु के साथ अपनी वाचा का नवीनीकरण करने में नेतृत्व किया (2 राजा 23:1-3)। परिणामस्वरूप, सभी गलत विश्वास नष्ट हो गए, सच्ची उपासना बहाल हुई और राष्ट्र की आध्यात्मिक दिशा बदल गई। योशिय्याह की प्रतिक्रिया दर्शाती है कि जब पवित्रशास्त्र किसी अगुवों की इच्छाओं और निर्णयों को नियंत्रित करता है, तो प्रार्थना अब स्वार्थी नहीं बल्कि परमेश्वर-केंद्रित हो जाती है। ऐसी प्रार्थना में अधिकार होता है, क्योंकि यह आज्ञाकारिता से उत्पन्न होती है, और यह ऐसा नवीनीकरण लाती है जो प्रार्थना करने वाले से कहीं अधिक व्यापक होता है।

अमृतसर के भाई हरविंदर सिंह अपने दैनिक जीवन में इस अनुरूपता का उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। नियमित रूप से दान देने और निरंतर प्रार्थना करने वाले उस व्यक्ति और उसके परिवार ने परमेश्वर से दो विशेष आवश्यकताओं के लिए प्रार्थना की: अपना घर और अपनी माँ की गर्भाशय ग्रीवा की बीमारी का इलाज। उनकी प्रार्थनाएँ मात्र इच्छाएँ नहीं थीं, बल्कि परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं पर आधारित विश्वासपूर्ण प्रार्थनाएँ थीं। यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन के प्रार्थना करने वालों की प्रार्थना और भविष्यवाणी के जरिए, परमेश्वर ने दोनों इच्छाओं को पूरा किया। एक प्रार्थना करने वाले ने भविष्यवाणी की थी कि जब वे अपने नए घर में जाएँगे, तो उसकी माँ चंगाई पाएगी। परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना को पूरा किया।

जैसे ही वे अपने नए घर में गए, उसकी माँ पूरी तरह से चंगाई पाई, ठीक वैसे ही जैसे परमेश्वर ने कहा था। यह कहानी गवाही देती है कि जब प्रार्थना पवित्रशास्त्र से प्रेरित होती है, तो उसकी पूर्ति होती है।

परमेश्वर की इच्छा के अनुरूप प्रार्थना

'इसी रीति से आत्मा भी हमारी दुर्बलता में सहायता करता है, क्योंकि हम नहीं जानते, कि प्रार्थना किस रीति से करना चाहिए; परन्तु आत्मा आप ही ऐसी आहें भर भरकर जो बयान से बाहर है, हमारे लिये बिनती करता है और मनों का जांचने वाला जानता है, कि आत्मा की मनसा क्या है क्योंकि वह पवित्र लोगों के लिये परमेश्वर की इच्छा के अनुसार बिनती करता है।' (रोमियों 8:26, 27)

प्रार्थना के उत्तर का एक और महत्वपूर्ण पहलू परमेश्वर की इच्छा को समझना है। मनुष्य की योजनाएँ सीमित होती हैं, जबकि परमेश्वर के उद्देश्य अनंत होते हैं। पवित्रशास्त्र हमें आश्वासन देता है कि पवित्र आत्मा विश्वासियों के लिए मध्यस्थता करता है, और उन्हें परमेश्वर की परिपूर्ण इच्छा के अनुसार प्रार्थना करने में सहायता करता है। इसका अर्थ व्यक्तिगत इच्छाओं को दबाना नहीं, बल्कि उन्हें ईश्वरीय ज्ञान के प्रति समर्पित करना है।

'परमेश्वर के पास जाने में हमें यह विश्वास है कि यदि हम उसकी इच्छा के अनुसार कुछ भी माँगते है, तो वह हमारी सुनता है,' (1 यूहन्ना 5:14)

दाऊद, यद्यपि अभिषेक प्राप्त राजा था, फिर भी निर्णय लेने से पहले बार-बार परमेश्वर का मार्गदर्शन माँगता था। चाहे युद्ध हो या नेतृत्व संबंधी निर्णय, उसने आवेग में आकर कार्य करने से इनकार कर दिया। उसकी सफलता आज्ञाकारिता से मिली, जिससे यह सिद्ध होता है कि जो लोग प्रभु से मार्गदर्शन माँगते हैं, उन्हें विजय प्राप्त होती है। दाऊद का जीवन एक ऐसे अगुवे को दर्शाता है जो समझता था कि ईश्वरीय बुलाहट परमेश्वर पर दैनिक निर्भरता का स्थान नहीं ले सकता। यद्यपि राजा के रूप में अभिषेक प्राप्त था, फिर भी वह कार्य करने से पहले, विशेषकर संघर्ष और नेतृत्व की जिम्मेदारी के क्षणों में, लगातार प्रभु का मार्गदर्शन माँगता था।

पलिश्तियों का सामना करते समय, दाऊद ने पिछली विजयों या सैन्य शक्ति पर भरोसा नहीं किया; इसके बजाय, उसने प्रभु से पूछा कि क्या उसे युद्ध में जाना चाहिए, और हर बार परमेश्वर के विशिष्ट निर्देशों का पालन किया (1 शमूएल 23:1-5; 2 शमूएल 5:18-25)।राजा होने के बावजूद, उन्होंने आवेग या व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के आधार पर कार्य करने से इनकार कर दिया और अनुमान लगाने के बजाय आज्ञाकारिता को चुना। परमेश्वर की इच्छा जानने का यह दृष्टिकोण उसकी सफलता का आधार बना, जिससे यह सिद्ध होता है कि सच्ची विजय और स्थायी नेतृत्व उस हृदय से उत्पन्न होते हैं जो निरंतर प्रभु से प्रार्थना करता है और उनके मार्गदर्शन को स्वीकार करता है। परमेश्वर की इच्छा जानने के लिए की गई प्रार्थनाओं में परमेश्वर की उत्तरदायित्व की निश्चितता होती है।

बेंगलुरु की ग्लोरी अरुण की कहानी भी इसी निर्भरता को दर्शाती है। जीवन के चौराहे पर खडी, यह तय नहीं कर पा रही थीं कि कौन सा व्यवसाय करें, तब उसने बेंगलुरु प्रार्थना भवन में परमेश्वर का मार्गदर्शन मांगा। प्रार्थना में, भ्रम की जगह स्पष्टता आ गई। परमेश्वर ने एक योजना प्रकट की, और उसने विश्वास के साथ आगे कदम बढाया। परिवार के समर्थन के बिना, उसने अपने बुटीक की शुरुआत की, उस परमेश्वर पर भरोसा करते हुए जिसने उसका मार्गदर्शन किया। आज, वह इस बात की गवाह हैं कि जब परमेश्वर अपनी इच्छा प्रकट करते हैं, तो वे द्वार खोलते हैं और उस पर चलने की शक्ति भी प्रदान करते हैं।

> "यह मायने नहीं रखता कि आप क्या मांगते है, बल्कि यह मायने रखता है कि आप किस उद्देश्य से मांगते है, जिससे उत्तर मिलते है"

परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले जीवन से प्रार्थना

'प्रिय मित्रों, यदि हमारा हृदय हमें दोषी न ठहराए, तो परमेश्वर के समक्ष हमारा विश्वास बना रहता है और हम उससे जो कुछ भी माँगते है, वह पा लेते है, क्योंकि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करते है और वही करते है जो उसे प्रसन्न करता है।'

(1 यूहन्ना 3:21-22)

प्रार्थना का उत्तर मिलना भी परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले जीवन से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। पवित्रशास्त्र सिखाता है कि आज्ञाकारिता और परमेश्वर के साथ घनिष्ठ संबंध प्रार्थना में विश्वास उत्पन्न करते हैं। यह विधिवत पूर्णता के बारे में नहीं है, बल्कि उस हृदय के बारे में है जो परमेश्वर का सम्मान करने की लालसा रखता है।

हिजकिय्याह का जीवन इसे खूबसूरती से दर्शाता है। मृत्यु का सामना करते हुए, उसने आँसुओं के साथ प्रभु की ओर रुख किया और परमेश्वर को अपने सच्चे जीवन पथ की याद दिलाई। परमेश्वर ने दया दिखाई और उसका जीवन दीर्घायु किया। जब राजा हिजकिय्याह एक घातक बीमारी से ग्रस्त हुआ, तो उसने निराशा या मानवीय उपचारों का सहारा नहीं लिया, बल्कि आँसुओं के साथ प्रभु से प्रार्थना की और परमेश्वर को अपने सच्चे और विश्वासयोग्य जीवन पथ की याद दिलाई (2 राजा 20:1-6; यशायाह 38:1-5)। परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना सुन ली, उसके आँसू देख लिए और कृपापूर्वक उसके जीवन में पंद्रह वर्ष और जोड.दिए।

परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले जीवन से प्रार्थना 'प्रिय मित्रों, यदि हमारा हृदय हमें दोषी न ठहराए, तो परमेश्वर के समक्ष हमारा विश्वास बना रहता है और हम उससे जो कुछ भी माँगते हैं, वह पा लेते हैं, क्योंकि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करते हैं और वही करते हैं जो उसे प्रसन्न करता है।' (1 यूहन्ना 3:21-22) प्रार्थना का उत्तर मिलना भी परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले जीवन से घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। पवित्रशास्त्र सिखाता है कि आज्ञाकारिता और परमेश्वर के साथ घनिष्ठसंबंध प्रार्थना में विश्वास उत्पन्न करते हैं।

यह विधिवत पूर्णता के बारे में नहीं है, बल्कि उस हृदय के बारे में है जो परमेश्वर का सम्मान करने की लालसा रखता है। हिजकिय्याह का जीवन इसे खूबसूरती से दर्शाता है। मृत्यु का सामना करते हुए, उसने आँसुओं के साथ प्रभु की ओर रुख किया और परमेश्वर को अपने सच्चे जीवन पथ की याद दिलाई। परमेश्वर ने दया दिखाई और उसका जीवन दीर्घायु किया। जब राजा हिजकिय्याह एक घातक बीमारी से ग्रस्त हुआ, तो उसने निराशा या मानवीय उपचारों का सहारा नहीं लिया, बल्कि आँसुओं के साथ प्रभु से प्रार्थना की और परमेश्वर को अपने सच्चे और विश्वासयोग्य जीवन पथ की याद दिलाई (2 राजा 20:1-6; यशायाह 38:1-5)। परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना सुन ली, उसके आँसू देख लिए और कृपापूर्वक उसके जीवन में पंद्रह वर्ष और जोड.दिए।

आधुनिक संदर्भ में, एस.आर. पूनकोडी की गवाही बताती है कि कैसे परमेश्वर को प्रसन्न करने वाला हृदय प्रार्थना को रूपांतरित कर देता है। वह चेन्नई में रहती है। वर्षों के वैवाहिक कलह ने उनके घर को पीडा से भर दिया था। उसके पति उनके द्वारा बनाया गया भोजन खाने से इनकार करते थे और भावनात्मक रूप से उससे दूर हो गए थे। फिर भी, कडव़ाहट को अपने हृदय को कठोर बनाने देने के बजाय, उसने परमेश्वर का सहारा लिया। फैमिली चैनल पर यीशु बुलाता है कार्यक्रम देखते समय, जिसमें मेरी माताजी बहन स्टेल्ला दिनाकरन शांति के बारे में बात कर रही थीं, उस संदेश ने उन दोनों को गहराई से प्रभावित किया। धीरे-धीरे, कडव़ाहट दूर हो गई, संवाद बहाल हो गया और उनके घर में शांति लौट आई।

परमेश्वर ने उस हृदय का सम्मान किया जिसने मेल-मिलाप और धार्मिकता की खोज की।

एक फलदायी जीवन से प्रार्थना

'तुम ने मुझे नही चुना परन्तु मै ने तुम्हें चुना है और तुम्हें ठहराया ताकि तुम जाकर फल लाओ; और तुम्हारा फल बना रहे, कि तुम मेरे नाम से जो कुछ पिता से मांगो, वह तुम्हें दे।'

(यूहन्ना 15:16)

अंततः, पवित्रशास्त्र प्रकट करता है कि एक फलदायी जीवन से उत्पन्न प्रार्थनाओं का उत्तर मिलता है। जब विश्वासी दूसरों की सेवा करने, परमेश्वर के कार्य में उदारतापूर्वक योगदान देने और परमेश्वर के प्रेम को साझा करने जैसे अनंत उद्देश्यों में निवेश करते हैं, तो परमेश्वर प्रचुर मात्रा में प्रावधान करके उत्तर देते हैं। कुरनेलियस इस बात का एक सशक्त उदाहरण है कि कैसे सच्ची प्रार्थना और उदार आज्ञाकारिता मिलकर परमेश्वर की उद्धारकारी प्रतिक्रिया को आकर्षित करती हैं। उनकी प्रार्थनाएँ और उदारता के कार्य परमेश्वर के समक्ष एक स्मारक के रूप में प्रस्तुत हुए। इसके उत्तर में, परमेश्वर ने न केवल उनके लिए, बल्कि उनके पूरे परिवार के लिए उद्धार की व्यवस्था की। पवित्रशास्त्र उन्हें एक धर्मनिष्ठ व्यक्ति के रूप में वर्णित करता है जो परमेश्वर से भयभीत रहता था, निरंतर प्रार्थना करता था और जरूरतमंदों को उदारतापूर्वक दान देता था (प्रेरितों के काम 10:1-2)। यद्यपि वह अभी तक सुसमाचार से पूरी तरह परिचित नहीं था, फिर भी उनकी प्रार्थनाएँ और दान के कार्य, 'हे प्रभु क्या है उस ने उस से कहा, तेरी प्रार्थनाएं और तेरे दान स्मरण के लिये परमेश्वर के साम्हने पहुंचे हैं।' (प्रेरितों के काम 10:4), यह प्रकट करते हैं कि उसके आदरपूर्ण जीवन ने स्वर्ग का ध्यान आकर्षित किया था। इसके जवाब में, परमेश्वर ने एक स्वर्गदूत को भेजकर एक दिव्य मुलाकात शुरू की, जिसने कुरनेलियस को पतरस के पास भेजा, जिसके माध्यम से उसने और उसके पूरे परिवार ने उद्धार का संदेश सुना (प्रेरितों के काम 10:30-44)।उसके विश्वास के फलस्वरूप, पवित्र आत्मा उन पर उंडेल दी गई, जो न केवल कुरनेलियस के जीवन में, बल्कि अन्यजातियों तक सुसमाचार के प्रसार में भी एक महत्वपूर्ण मोड. साबित हुई। उसकी कहानी खूबसूरती से दर्शाती है कि जब प्रार्थना करुणापूर्ण आज्ञाकारिता के साथ की जाती है, तो परमेश्वर शक्तिशाली रूप से कार्य करते हैं और उद्धार और परिवर्तन लाते हैं, जो आरंभ में मांगी गई अपेक्षा से कहीं अधिक होता है।

नई दिल्ली निवासी भाई राकेश कुमार का जीवन, परमेश्वर के राज्य पर केंद्रित इस प्रार्थना का एक उदाहरण है। 2016 में, वे और उनकी पत्नी निराशा से व्याकुल होकर आत्महत्या करने का विचार कर रहे थे, लेकिन उन्होंने एक स्वप्न के माध्यम से यीशु से मुलाकात की और नियमित रूप से प्रार्थना भवन जाने लगे। जैसे-जैसे उनका विश्वास बढता गया, उन्होंने स्वयं को निष्ठापूर्वक दान देने और आध्यात्मिक अनुशासन के लिए समर्पित कर दिया। उसने नियमित रूप से यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन सेवकाई को अपना दशमांश देना शुरू कर दिया। उस समय उसकी पत्नी एक सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रही थीं। लेकिन 25 वर्षों के बाद, परमेश्वर ने उनके परिवार को बदल दिया, उसकी पत्नी को स्कूल की प्रधानाध्यापिका बनाकर उसके करियर को ऊंचाइयों पर पहुंचाया और दशकों तक किराए पर रहने के बाद उन्हें एक बहुप्रतीक्षित घर प्रदान किया। उसकी गवाही यह बताती है कि विश्वास के साथ बोया गया बीज आनंद के रूप में काटा जाता है, क्योंकि प्रार्थनाओं का उत्तर कल्पना से परे मिलता है।

विश्वासी होने के नाते, हमें याद रखना चाहिए कि प्रार्थना का उत्तर मिलना हमारे स्वयं के प्रयासों का प्रमाण नहीं, बल्कि परमेश्वर की स्वीकृति का प्रमाण है। परमेश्वर अपने बच्चों को आशीष देने में प्रसन्न होते हैं क्योंकि वे कृपालु और अपने वचन के पालन में विश्वासयोग्य हैं। जब प्रार्थनाएँ शुद्ध इरादों, अटूट विश्वास, बाइबल के अनुरूपता, समर्पित इच्छा, आज्ञाकारी जीवन और परमेश्वर के राज्य के उद्देश्य से की जाती हैं, तो परमेश्वर अपेक्षा से कहीं अधिक उत्तर देते हैं। वे हमारी कल्पना से कहीं अधिक और प्रचुर मात्रा में प्रदान करते हैं (इफिसियों 3:20) आशा है कि आप केवल उत्तरों के लिए ही नहीं, बल्कि परमेश्वर को जानने और उससे उत्तर प्राप्त करने के लिए उनके साथ गहरी आत्मीयता के लिए प्रार्थना करना सीखेंगे। परमेश्वर आपको आशीष दें।

प्रार्थना: प्रिय प्रभु यीशु, प्रार्थना करते समय मेरी प्रार्थना सुनने के लिए धन्यवाद। कृपया मुझे शुद्ध इरादों और विश्वासपूर्ण हृदय से आपसे माँगना सिखाएँ। मुझे आपके वचन पर विश्वास करने और आपकी प्रतिज्ञाओं का दावा करने में सहायता करें। अपने पवित्र आत्मा के द्वारा अपनी इच्छा मुझ पर प्रकट करें। प्रभु, मेरे जीवन को आपके राज्य के लिए फलदायी बनाएँ, और जब आप मेरी प्रार्थनाओं का उत्तर दें, तो मेरे जीवन को आनंद से भर दें। मै केवल आपकी दया में आनंदित होता हूँ। आपके पवित्र नाम में, आमीन।

रांची प्रार्थना भवन के

नवीनीकरण की आवश्यकता है

क्या आप मदद करेंगे?

परमेश्वर का घर बनाएं
परमेश्वर आपका घर बनाएगा

यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन ने उन लोगों की जिंदगी में बडे.चमत्कार किए हैं जो आराम, चंगाई और मार्गदर्शन की तलाश में उनके दरवाजे.से गुजरते हैं।

परेशानी भरी जिंदगी से बदलाव

मेरे पति श्रीनिवासन और मुझे दो बच्चे है। जब मैंने यीशु मसीह को अपना पर्सनल उद्धारकर्ता स्वीकार नहीं किया था, तब मेरी जिंदगी दर्द और संघर्षों से भरी थी। मेरे पति शराबी थे, और मुझे भावनात्मक और आर्थिक दोनों तरह से बहुत दुख झेलना पडा। एक समय मेरे बेटे को डेंगू बुखार हो गया था, और उसके प्लेटलेट काउंट खतरनाक स्म से कम हो गए थे। डॉक्टरों ने कहा कि उसकी जान को खतरा है। उस पल मै अपने घर के पास यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन गई और पूरे दिल से प्रार्थना की। परमेश्वर ने सभी प्रार्थनाएँ सुनीं, मेरे बेटे को ठीक किया, मेरे पति को उनकी लत से आजाद किया और हमारी जिंदगी बदल दी। आज, हम एक धन्य और ठीक हुए परिवार के स्म में रहते है, यह सब हमारे लिए की गई प्रार्थनाओं और परमेश्वर की कृपा से हुआ है। – अनीता

यह उन कई गवाहियों में से एक है जो हर दिन रांची प्रार्थना भवन के जरिए सामने आती हैं।

रांची प्रार्थना भवन इन सभी सालों में पूरे झारखंड राज्य के लिए आशा की किरण रहा है। पिछले साल, हमने इस प्रार्थना भवन मिनिस्ट्री के जरिए 37,500 लोगों तक पहुँचे और आने वाले साल 2026 में, हमारा लक्ष्य 50,000 लोगों तक पहुँचना है।

इन हजारों लोगों तक पहुँचने के लिए, रांची प्रार्थना भवन की सुविधाओं को बडे.पैमाने पर बेहतर बनाया जा रहा है, जिसमें मीटिंग हॉल को LED, AC, स्टेज, ग्रीन, अत स्म और यूटिलिटी स्म के साथ रेनोवेट किया जाएगा ताकि पब्लिक मीटिंग, यूथ वर्शिप, बच्चों की मिनिस्ट्री और ट्रेनिंग हो सके और साथ ही टेलीफोन प्रार्थना करने वालों के लिए और ज़्यादा सीटें और ज्यादा काउंसलिंग स्म जोडे.जाएँगे, साथ ही शांत माहौल देने के लिए चैपल में भी बदलाव किया जाएगा।

नवीनीकरण में 3 करोड.रुपये का खर्च आएगा

आप इसका समर्थन कर सकते है: ❑ **रु.5,00,000** ❑ **रु. 3,00,000** ❑ **रु. 1,00,000**
❑ **रु. 50,000** ❑ **रु. 25,000** ❑ **रु. 10,000**
❑ **रु. 5,000 या कोई भी राशि जो प्रभु आपको बोने के लिए प्रेरित करता है**

आइए, रांची में परमेश्वर के बैठने और लोगों को आशीर्वाद देने के लिए एक सुंदर प्रार्थना भवन का निर्माण करें।
परमेश्वर का घर बनाएं परमेश्वर आपका घर बनायेगा (2 शमूएल 7:11)

अधिक जानकारी के लिए: boranchi@jesuscalls.org **या**
63807 52243 पर कॉल करें (सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक)।

रांची प्रार्थना भवन
बिल्डिंग फंड में दान करें

हम सेवकाई में टीम का नेतृत्व करने के लिए प्रशासन में समृद्ध अनुभव और उत्साह और आध्यात्मिक प्रतिभा वाले एक वरिष्ठ प्रबंधक की भी तलाश कर रहे है। कृपया अपना बायोडाटा हमें careers@jesuscalls.org पर ईमेल करें

आपका घर शांति से भरा रहे!

'हे सब थके हुए और बोझ से दबे हुए लोगों, मेरे पास आओ, और मैं तुम्हें विश्राम दूँगा।' (मत्ती 11:28)

प्रिय मित्र,

परमेश्वर आपके दुख, डर और अनिश्चितता से भरे दिल को यह कोमल निमंत्रण देते हैं। हम अपने बोझ लेकर उनके पास आते हैं, उस विश्राम की तलाश में जो केवल वही दे सकते हैं। आपको लग सकता है कि आपका भविष्य बर्बाद हो गया है, आपका जीवन अंधेरे से घिरा है, या आप अपनों को खोने के दुख से कभी उबर नहीं पाएंगे। आप पूछ रहे होंगे, मेरे पास क्या उम्मीद है? फिर भी आज, यीशु आपको उनके पास दौडक़र आने के लिए बुलाते हैं। हमारे प्यारे परमेश्वर हमारी हर समस्या से बडे.हैं। जब हम सावधानी से जीने का चुनाव करते हैं, और हममें रहने वाले इस महान परमेश्वर पर भरोसा करते हैं, तो वह हमारे दुख को मुक्ति के गीतों में बदल देते हैं। वह जीवन बदलते हैं। अपने सारे बोझ यीशु के चरणों में डाल दो। वह आप को विश्राम देंगे। वह आप को चंगा करेंगे। वह प्रार्थना और विश्वास भरी मध्यस्थता के द्वारा आप के हर संघर्ष से बाहर निकालेंगे। डिप्रेशन परमेश्वर से बडा नहीं है। यह सिर्फ शारीरिक नहीं है; यह मन और आत्मा की लडाई है लेकिन परमेश्वर आप को ˙ विजयी बनाएगा।

सिलीगुडी के राजीव हेमराम कुमार, जो मूल रूप से झारखंड के हैं, ने यह गवाही दी: 'मेरी नौकरी के कारण, मैं अपनी पत्नी और दो बेटियों से दूर रहता था। कुछ साल पहले, मैं गहरे डिप्रेशन में चला गया, नींद न आना, डर और दबाव मुझ पर हावी हो गया। मेरी पत्नी भी चुपचाप दुख सह रही थी, उसने शांति और ताकत खो दी थी। हालांकि डॉक्टरों ने दवा लेने की सलाह दी, लेकिन हमें एहसास हुआ कि केवल प्रार्थना ही हमारी आत्माओं को चंगा कर सकती है। हमने डर के बजाय विश्वास को चुना और परमेश्वर से प्रार्थना की। यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन के प्रार्थना करने वालों ने हमारे लिए पूरी लगन से प्रार्थना की, और धीरे-धीरे सुधार शुरूहुआ। आज, मेरी पत्नी

EvangelinePaulDhinakaran | evangeline@jesuscalls.org

स्वस्थ, खुश है, और हमारा परिवार शांति से रहता है। मैं प्रभु यीशु मसीह का धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने हमें डिप्रेशन से मुक्ति दिलाई और हमारे जीवन को नया किया।'

हाँ, प्रिय मित्र, सबसे पहले मन की शांति के लिए प्रार्थना करें। जब परमेश्वर शांति देते हैं, तो बाकी सब कुछ अपने आप मिल जाता है। हमारे मांगने से पहले ही परमेश्वर हमारी जरूरतें जानते हैं। कई महिलाएं, जवान और बूढ़ी, शादीशुदा या विधवा, अक्सर बहुत सारी जिम्मेदारियां उठाते हुए अकेले रहती हैं। अकेलापन डिप्रेशन का कारण बन सकता है। इसका जवाब क्या है? लगातार प्रार्थना। केवल परमेश्वर ही हमें ऐसे अंधेरे से बाहर निकाल सकते हैं।

आज भी, प्रभु आपको याद करते हैं और आपको आशीष देना चाहते हैं। बाइबल भजन 127:1 में कहती है, 'यदि यहोवा घर न बनाए, तो बनाने वालों की मेहनत बेकार है।' जब परमेश्वर घर बनाता है, तो वह सिर्फ.एक बिल्डिंग नहीं होती। वह जिंदगी, परिवार, शरीर, मन और आत्मा बनाता है। बार-बार, हम पार्टनर्स को गवाही देते हुए सुनते हैं, 'जब से हम यीशु बुलाता है युवा आशीष योजना में शामिल हुए हैं, तब से प्रभु ने हमारा घर बनाया है।'

> मन की शांति के लिए प्रार्थना करें और जब परमेश्वर शांति देगा, तो बाकी सब कुछ अपने आप हो जाएगा

चेन्नई प्रार्थना भवन में ऐसी ही एक जबरदस्त गवाही सामने आई। एक महिला ने बताया कि उसका पति, जो एक ऑटो ड्राइवर था और शराब का आदी था, कभी उसके साथ प्रार्थना में शामिल नहीं होता था। फिर भी उसने हार नहीं मानी। हर मंगलवार को, वह उपवास रखती थी, प्रार्थना भवन में प्रार्थना करती थी, और विश्वास के साथ परमेश्वर का वचन पढ़ती थी, जबकि उसका पति बाहर इंतजार करता था। उसने अपने पति की मुक्ति के लिए परमेश्वर से प्रार्थना की और परमेश्वर ने उसकी सुनी। बाद में, उसके पति बाला ने गवाही दी, ङ्घमेरी पत्नी मसी और हमारी बेटी ने कई सालों तक मेरी शराब की लत की वजह से बहुत दुख झेला। मैं एक ऑटो ड्राइवर हूँ और इस लत की वजह से मैं बहुत ज़्यादा कर्ज.में डूब गया था। हमारे घर में लगातार झगडे. होते थे और शांति नहीं थी। मेरी पत्नी नियमित रूप से प्रार्थना भवन आने लगी और मंगलवार के उपवास प्रार्थना में शामिल हुई। प्रार्थना करने वालों ने उसके लिए प्रार्थना की। प्रभु यीशु मसीह ने उसकी पुकार सुनी और मुझे पूरी तरह से बदल दिया। मुझे शराब की लत से छुटकारा मिला, मेरा सारा कर्ज.उतर गया, और आज हमारा घर शांति से भरा है। प्रभु यीशु मसीह की जय हो।'

आज, वही आदमी न सिर्फ.लोगों को प्रार्थना भवन लाता है, बल्कि यह भी पक्का करता है कि वे अंदर जाएँ, बैठें और प्रार्थना करें। वह खुशी से कहता है, 'सच में, प्रभु ने मेरा घर बनाया है।' प्यारे दोस्त, क्या प्रभु तुम्हारा घर भी नहीं बनाएगा? हो सकता है कि आप अपने जीवनसाथी के बदलाव, अपने बच्चों के भविष्य, या अपनी जिंदगी में किसी चमत्कार के लिए प्रार्थना कर रहे हो। आज, प्रभु आप की जिंदगी में आना चाहता है और आप का घर, आप का परिवार और आप की जिंदगी बनाना चाहता है। यीशु ने यूहन्ना 15:5 में कहा, 'मेरे बिना तुम कुछ नहीं कर सकते।' यीशु के बिना, हम शक्तिहीन हैं, लेकिन उनके साथ सब कुछ संभव है।

मैंने खुद अपने परिवार में इस सच्चाई को देखा है। मेरी माँ ने मेरे पिता के बदलाव के लिए बीस साल से ज्यादा समय तक प्रार्थना और उपवास किया। हर शुक्रवार को, वह विश्वास के साथ प्रार्थना करती थी। एक दिन, उसने अपने एक बच्चे को बिना किसी का नाम लिए प्रभु की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। परमेश्वर ने उस समर्पित प्रार्थना का सम्मान किया। आज, मैं प्रभु की सेवा करती हूँ, और मेरे पिता भी बदल गए। हमारा परिवार अब साथ में प्रार्थना करता है, और सच में, प्रभु ने हमारा घर बनाया है।

प्रिय मित्र, आपकी कोई भी प्रार्थना कभी बेकार नहीं जाएगी। अगर आपको इंतजार करते-करते थकान महसूस हो रही है, तो हिम्मत न हारें। आज, परमेश्वर काम कर रहा है। प्रभु आपका घर बनाएगा और आपके जीवन में चमत्कार करेगा। आज से, आप बदलाव देखेंगे। अपना घर, अपना परिवार और अपना जीवन यीशु के चरणों में सौंप दें। जब आप परमेश्वर को अपना घर बनाने देंगे, तो वह उसे पूरी तरह से बनाएगा। प्रभु आपको बहुत आशीष दे।

मैं अपने हृदय की गहराइयों से बोलता हूँ...

मेरे प्रिय सहभागी, इस महीने जब मैं आपको नमस्कार कर रहा हूँ, तो मेरा हृदय कृतज्ञता और आशा से भरा है। प्रभु, जो हमारे जीवन के हर पड़ाव पर विश्वासपूर्वक नजर रखते हैं, आज हमें याद दिला रहे है कि उसकी योजनाएँ अनिश्चित या क्षणिक नहीं है। प्रतीक्षा, परिवर्तन या चुनौतियों के समय में भी, परमेश्वर हमें वहीं निर्माण करने, स्थिर होने और फलने-फूलने के लिए बुलाते हैं जहाँ उसने हमें रखा है।

"घर बना कर उन में बस जाओ; बारियां लगा कर उनके फल खाओ।" (यिर्मयाह 29:5)

यह प्रतिज्ञा हमें आश्वस्त करती है कि प्रभु अपने लोगों के लिए स्थिरता, फलदायकता और शांति चाहते हैं। वे हमें मजबूत नींव रखने, जो उन्होंने हमारे हाथों में सौंपा है उसे पोषित करने और अपने परिश्रम के फल का आत्मविश्वास से आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। परमेश्वर के मार्गदर्शन में हम जो कुछ भी बनाते हैं वह स्थिर रहेगा, और विश्वास के साथ हम जो कुछ भी बोते हैं वह निश्चित रूप से उचित समय पर फसल देगा।

मैं घोषणा करता हूँ कि यह समय आपके और आपके परिवार के लिए ईश्वरीय स्थापना का समय होगा। प्रभु आपके हाथों के काम को आशीष देंगे, जहाँ ठहराव था वहाँ विकास लाएँगे और आपको उसकी छत्रछाया में सुरक्षित रहने का अनुग्रह प्रदान करेंगे। प्रार्थना और सहयोग में हमारे साथ बने रहने से, परमेश्वर आपको प्रचुरता, तृप्ति और चिरस्थायी आनंद का अनुभव कराएँ।

प्रिय सहभागी, विश्वास में हमारे साथ यात्रा करने के लिए धन्यवाद। साथ मिलकर, जैसे-जैसे हम परमेश्वर के उद्देश्य के अनुसार निर्माण करते हैं और आज्ञाकारिता के बीज बोते हैं, हम निश्चित रूप से उस भरपूर फसल के भागीदार होंगे जो उन्होंने हमारे लिए तैयार की है।

मैं आपको उन महान कार्यों के बारे में बताना चाहता हूँ जो प्रभु ने पिछले महीने सेवकाई के माध्यम से किए हैं और आने वाले महीने में और अधिक मिशनों के लिए प्रार्थना करने के लिए आपका स्वागत करता हूँ।

स्तुति के लिए
संयुक्त नव वर्ष उत्सव 2026

- 4 जनवरी, 2026 को, चेन्नई के नंदनम स्थित वाईएमसीए मैदान में विशेष नव वर्ष सभा का आयोजन किया गया। मेरा परिवार और मैं, बिशप, संप्रदाय प्रमुखों, ईसाई अगुवों, संस्थानों के प्रमुखों और विभिन्न संप्रदायों के चर्चों के साथ, प्रार्थना करने, एकत्रित लोगों को आशीर्वाद देने और 2026 के लिए परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं और भविष्यवाणियों को एक विश्वासी परिवार के रूप में स्वीकार करने के लिए एकत्रित हुए। मैंने यशायाह 58:12 से वर्ष के लिए परमेश्वर के वादे की घोषणा की और उनके द्वारा प्रकट की गई भविष्यवाणी को साझा किया। वर्ष के लिए एक संयुक्त दृष्टिकोण के साथ, सभी ने प्रार्थना में भाग लिया और प्रभु से हमारे जीवन पर अपने वचन को पूरा करने की विनती की। कार्यक्रम के हर भाग से परमेश्वर के नाम की महिमा हुई।
- **चेन्नई युवा उत्सव 2026:** 3 जनवरी, 2026 को चेन्नई

के नंदनम स्थित वाईएमसीए मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों के लिए कई मनोरंजक खेल शामिल थे। स्तुति एवं आराधना सत्र का नेतृत्व पादरी बेनी जोशुआ, मेरी बेटी स्टेल्ला रमोला और मेरे दामाद डैनियल डेविडसन ने कारुण्या के विद्यार्थियों के साथ मिलकर किया। मेरे बेटे सैमूएल दिनाकरन ने प्रेरितों के कार्य 2:17 से प्रोत्साहन का एक सशक्त संदेश दिया। वहाँ उपस्थित सभी युवाओं के हृदय नवप्रवर्तित विश्वास और पवित्र आत्मा के अभिषेक के अनुरूप चलने की गहरी प्रतिबद्धता से भर गए।

- **विशेष नव वर्ष सभा:** 1 जनवरी, 2026 को डॉ. डी. जी. एस. दिनाकरन मेमोरियल प्रार्थना भवन में आयोजित की गई। आराधना का नेतृत्व मेरे दामाद डैनियल डेविडसन और बेटी स्टेल्ला रमोला ने किया। स्टेल्ला रमोला ने 1 शमूएल 2:30 से परमेश्वर के जीवंत वचन को साझा करते हुए सभा को याद दिलाया कि प्रभु उन सभी को याद रखेंगे और उनका सम्मान करेंगे जो उनका सम्मान करने आते हैं। उपस्थित सभी लोग आनंदित होकर गए, उनके हृदय विश्वास से दृढ थे, और उन्हें विश्वास था कि इस नव वर्ष में उन्हें परमेश्वर की सर्वोत्तम आशीषें प्राप्त होंगी।

> साथ मिलकर, जैसे-जैसे हम परमेश्वर के उद्देश्य के अनुसार उसके राज्य का निर्माण करते हैं और आज्ञाकारिता के बीज बोते हैं, हम निश्चित रूप से उस भरपूर फसल के भागीदार होंगे जो उन्होंने हमारे लिए तैयार की है

- 31 दिसंबर, 2026 को नव वर्ष की रात की प्रार्थना सभा में, मेरे पुत्र भाई सैमूएल दिनाकरन ने सीएसआई सेंट ल्यूक चर्च, मंदेवेली, चेन्नई में अपनी सेवा दी। उनके अभिषेकित संदेश के माध्यम से, परमेश्वर ने आशा को पुनर्जीवित किया, विश्वास को मजबूत किया और उपस्थित लोगों के हृदयों को साहस, शांति और उसकी प्रतिज्ञा ओं पर विश्वास के साथ नव वर्ष में प्रवेश करने के लिए तैयार किया।
- हेवनली फीस्ट मिनिस्ट्री द्वारा आयोजित कनेक्ट 2026 कार्यक्रम में अपने परिवार, माताजी श्रीमती स्टेल्ला दिनाकरन और पत्नी बहन इवेंजेलिन के साथ कोइम्बतूर में उपस्थित होना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। मेरी माताजी को लाइफटाइम अचीवर अवार्ड से सम्मानित किया गया, जो वर्षों से सेवकाई को मजबूत करने वाले उनके अटूट प्रार्थनापूर्ण बलिदानों को मान्यता देता है। मैंने 2026 का प्रतिज्ञा संदेश दिया, जिसमें परमेश्वर के पुनरुद्धार और पुनर्निर्माण की घोषणा की गई। बहन इवेंजेलिन ने पवित्र आत्मा के आगमन के लिए एक शक्तिशाली प्रार्थना सत्र का नेतृत्व किया, जो 2026 की विजयी शुरुआत का प्रतीक है। मैंने हेवनली फीस्ट रेडियो को समर्पित किया और प्रार्थना की कि यह परमेश्वर के प्रावधान, अनुग्रह और कृपा की घोषणा करके विश्व भर के लोगों को आशीर्वाद दे। एक केंद्रित प्रार्थना सत्र आयोजित किया गया, जिसमें व्यक्तियों और परिवारों के लिए भविष्यवाणियाँ जारी की गईं। मैं निमंत्रण के लिए डॉ मैथ्यू कुरुविला का आभारी हूँ। इसके अतिरिक्त, 31 दिसंबर, 2025 को, कोइम्बतूर के नेहरूस्टेडियम में आयोजित कनेक्ट 2026 नव वर्ष समारोह में, मैंने आदरणीय थॉमस मार तिमोथियोस और आदरणीय डॉ मैथ्यूज मार सेराफिम के साथ संगति साझा की और मसीह में एकता का जश्न मनाया।

प्रार्थना के लिए

परीक्षा प्रार्थना सभा

यीशु बुलाता है सेवकाई की युवा सहयोगी जयश्री ने सेंट जॉर्ज स्कूल में आयोजित परीक्षा प्रार्थना सभा में भाग लेकर और सफल छात्रों की गवाही सुनकर अपने विश्वास को और मजबूत करते हुए 12 वीं कक्षा की परीक्षा में 500 में से 483 अंक प्राप्त किए हैं, जिसके लिए वह परमेश्वर की अपार कृपा के लिए उसकी स्तुति करती है।

छात्रों के परीक्षा की तैयारी के मेजबानी हम करेंगे, 1 फरवरी, 2026 को विंग्स कन्वेंशन सेंटर, सेंट जॉर्ज स्कूल परिसर में एक विशेष छात्र प्रार्थना सभा का आयोजन कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य प्रत्येक छात्र के लिए प्रार्थना करना और उन्हें परमेश्वर की उपस्थिति का अनुभव कराना है।हम आपके चर्चों, आपके बच्चों और आपके परिचित हर छात्र को आमंत्रित करते हैं कि वे हमारे साथ जुड़ें.और प्रभु की शरण लेने से मिलने वाली शांति और शक्ति का अनुभव करें। जब छात्र प्रार्थना के माध्यम से प्रभु पर भरोसा रखते हैं, तो वह उन्हें आत्मविश्वास और सफलता की ओर ले जाते हैं। हम प्रत्येक छात्र को विशेष छात्र प्रार्थना कार्ड देने के लिए उत्सुक हैं, जो उनके विश्वास

को मजबूत करने और भविष्य का साहसपूर्वक सामना करने में सहायक होगा।

परीक्षा के मौसम में, छात्र हमारे 24/7 टेलीफोन प्रार्थना केंद्र (8546 999 000) से भी प्रार्थना सहायता प्राप्त कर सकते हैं, जहाँ समर्पित प्रार्थनाकर्ता 7 भाषाओं में उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं के लिए प्रार्थना करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। इसके अतिरिक्त, यीशु बुलाता हैं प्रार्थना केंद्र प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे से रात 8:00 बजे तक व्यक्तिगत प्रार्थना सहायता के लिए खुले रहते हैं। छात्र अपनी परीक्षा समय-सारणी paul@jesuscalls.org पर ईमेल करके या इस पते पर भेजकर भी व्यक्तिगत प्रार्थना के लिए भेज सकते हैं: प्रार्थना केंद्र, यीशु बुलाता हैं,16, डॉ. डी.जी.एस. दिनाकरन रोड, चेन्नई - 600 028, यदि आप छात्र प्रार्थना कार्ड प्राप्त करना चाहते हैं तो हमें लिखें।

इस जानकारी को अपने सभी परिचित छात्रों के साथ साझा करें और उन्हें इस सम्मेलन में भाग लेने दें ताकि वे अपने जीवन पर परमेश्वर का आशीर्वाद प्राप्त कर सकें।

अपने सभी परिचित छात्रों को 1 फरवरी, 2026 को विंग्स कन्वेंशन सेंटर, सेंट जॉर्ज स्कूल परिसर, चेन्नई में आयोजित परीक्षा प्रार्थना सभा में लाएँ

यीशु बुलाता है

उत्तर प्रदेश के झांसी की बहन शिल्पा ने खुशी से गवाही दी कि उनकी बेटी शेरोन, जो यीशु बुलाता है मिनिस्ट्री की युवा सहभागी है, उसने अपनी 12वीं कक्षा की आईएससी परीक्षा के दौरान यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन में की गई भावपूर्ण प्रार्थनाओं के माध्यम से परमेश्वर की दिव्य बुद्धि और कृपा का अनुभव किया। परमेश्वर की कृपा से, शेरोन ने उत्कृष्ट 93% अंक प्राप्त किए और अपने स्कूल में दूसरी टॉपर रही।

यीशु बुलाता हैं प्रार्थना भवन लाखों लोगों के लिए आशा की किरण है, जो सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक आगंतुकों को परामर्श और व्यक्तिगत प्रार्थनाएं प्रदान करता है, साथ ही अपने 24/7 टेलीफोन प्रार्थना भवन के माध्यम से चौबीसों घंटे प्रार्थना सहायता भी प्रदान करता है। दयालु मध्यस्थ सभी आगंतुकों और कॉल करने वालों के लिए पूरी लगन से प्रार्थना करते हैं, जिन्हें उनकी विभिन्न आवश्यकताओं के लिए तत्काल प्रार्थना की आवश्यकता होती है। पप्रार्थना भवनों में हर हफ्ते मंगलवार की उपवास प्रार्थना और मुक्ति, अभिषेक आदि के लिए कई अन्य सभाओं जैसे विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। प्रत्येक प्रार्थना भवन में एक चैपल है जहाँ प्रत्येक आगंतुक ध्यान और व्यक्तिगत प्रार्थना के लिए समय बिता सकता है। यीशु मसीह की उस प्रतिज्ञा पर आधारित, जिसमें उन्होंने कहा था कि जो भी उनके पास आएगा, वे उसे कभी निराश नहीं करेंगे, यीशु बुलाता हैं प्रार्थना भवन के माध्यम से लोगों के जीवन में बदलाव ला रहा है। आप जैसे साझेदारों के अथक योगदान से सभी सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। अपने प्रियजनों और परिचितों को भी इस सेवा के बारे में बताएं ताकि वे भी इससे लाभान्वित हो सकें।

युवा सहभागी योजना

यीशु बुलाता हैं मिनिस्ट्री की युवा सहभागी स्वाति ने गवाही दी कि डॉ. डी.जी.एस. दिनाकरन मेमोरियल प्रार्थना भवन में नियमित दर्शन और प्रार्थना करने वालों की सच्ची प्रार्थनाओं के माध्यम से, प्रभु ने उन्हें असाधारण शैक्षणिक सफलता प्रदान की। परमेश्वर की अपार कृपा से, उन्होंने 12वीं कक्षा की परीक्षा में 600 में से 589 अंक प्राप्त किए और अपने विद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वह कृतज्ञतापूर्वक चमत्कार करने वाले प्रभु और प्रार्थना करने वालों को इसका श्रेय देती हैं।

हाँ,यीशु बुलाता हैं युवा सहभागी योजना में नामांकित सभी बच्चों और युवाओं के लिए प्रार्थना का एक सुरक्षा कवच है, क्योंकि हमारे प्रार्थना करने वाले प्रतिदिन एक बार उनका नाम लेते हैं और योजना में निहित प्रतिज्ञाओं को उन पर लागू करते हैं। इस योजना के माध्यम से, प्रार्थना में प्रतिदिन संजोए गए युवा जीवन ज्ञान, चरित्र और परमेश्वर एवं लोगों की कृपा में वृद्धि करते हैं। जैसे-जैसे वे शिक्षा, करियर विकल्पों और जीवन की चुनौतियों से गुजरते हैं, युवा सहभागी योजना उन्हें आध्यात्मिक सुरक्षा और मार्गदर्शन

प्रदान करती है। कई लोगों ने परीक्षाओं, महत्वपूर्ण निर्णयों और कठिन समयों में परमेश्वर के मार्गदर्शन को देखा है। यह साझेदारी से कहीं बढकर, अगली पीढी में विश्वास का एक बीज बोना है, जो उन्हें परमेश्वर के उद्देश्य और प्रतिज्ञाओं में आत्मविश्वास से चलने के लिए सशक्त बनाता है।

आगामी सभाएं

1 फरवरी 2026 – परीक्षा प्रार्थना सम्मेलन, चेन्नई

7 फरवरी 2026 – टीएन वेस्ट ट्रिनिटी सिटी 50 वीं वर्षगांठ, उक्कदम, कोयंबटूर

8 फरवरी 2026 – बेतहसदा आशीष सभा, बेतहसदा

13 से 15 फरवरी 2026 – यीशु का प्रार्थना महोत्सव, राजमुंदरी

13 फरवरी 2026 – पादरी और अगुवों की सभा – राजमुंदरी

14 फरवरी 2026 – पार्टनर्स मीटिंग, राजमुंदरी

21 – 22 फरवरी 2026 – विशेष यीशु आशीष सभा ,चेन्नई

27 से 1 मार्च 2026 – अरुमानई प्रार्थना महोत्सव, कन्याकुमारी

28 फरवरी 2026 – पार्टनर्स मीट, नागरकोइल

2 मार्च 2026 – एनपीएमए – पादरी एवं अगुवों की सभा, नागरकोइल

13 मार्च 2026 – एनपीएमए – पादरी और अगुवों की सभा, सांगली, महाराष्ट्र

13 से 15 मार्च – प्रार्थना महोत्सव, सांगली, महाराष्ट्र

14 मार्च 2026 – पार्टनर्स मीट, सांगली, महाराष्ट्र

इन सभाओं में शामिल होने के लिए कृपया समय निकालें और आइए हम प्रभु की आराधना करें ताकि परमेश्वर का भरपूर आनंद और अटूट आशा हमें पूर्ण रूप से प्राप्त हो।

जैसा कि पवित्र शास्त्र फिलिप्पियों 4:19 में कहता है, 'और मेरा परमेश्वर मसीह यीशु में अपनी महिमा के धन से आपकी सभी आवश्यकताओं को पूरा करेगा', आइए हम याद रखें कि हमारा स्रोत सांसारिक संसाधनों तक सीमित नहीं है, बल्कि परमेश्वर की असीम कृपा में निहित है। जब हम पूरे मन से उस पर भरोसा करते हैं, तो वह विश्वासपूर्वक आज के लिए शक्ति, निर्णयों के लिए बुद्धि और हर आवश्यकता के लिए प्रावधान प्रदान करता है। आइए हम उसकी अटूट देखभाल को स्वीकार करते हुए कृतज्ञता से भर जाएं।आपका जीवन परमेश्वर की कृपा का साक्षी हो, और आप आत्मविश्वास से चलें, यह जानते हुए कि जिस परमेश्वर ने आपको बुलाया है, वह अपनी महिमा और अपने उद्देश्य के लिए आपकी सभी आवश्यकताओं को पूरा करने में विश्वासयोग्य है।

आपके सहयोग के लिए परमेश्वर का सदा धन्यवाद।

आपका भाई,जो आपके लिए प्रार्थना करता है,

डॉ पॉल दिनाकरन

लाखों लोगों के आँसू पोंछने के लिए यीशु बुलाता है
सेवकाई का समर्थन करने के तरीके

SCAN & PAY

SCAN & PAY INSTANTLY VIA UPI

Paytm G Pay BHIM पे

UPI jesuscalls@indus

BANK TRANSFER:

Bank	Beneficiary	A/c No.	IFSC
Induslnd	JESUS CALLS	555444333222111	INDB0000167
ICICI	JESUS CALLS	000901056144	ICIC0000009

Please share your donation detail to us through Whatsapp to 98409 99923

Website: **www.jesuscalls.org/donate**

Jesus Calls Mobile app (available in Android & iOS)

EMO/CHEQUE /DD

- **Write in favour of "JESUS CALLS"**
- **Can be sent by speed post to: Prayer Tower, 16, D.G.S. Dhinakaran Road, Chennai 600028.**
- **In person: At the prayer tower in your area**

For donation related/partner plans/receipts related queries, please call or Whatsapp 98409 99923. For 24x7 Prayer support, please call 8546999000

युवा अनुभाग

प्रिय मित्र,

फरवरी महीने में आपका स्वागत है। जैसे-जैसे यह नया साल आगे बढ.रहा है, हम एक सच्चाई पर भरोसा रख सकते हैं: परमेश्वर ने आपके जीवन में आशीष देने का अपना काम पहले ही शुरू कर दिया है। अभी भी, उसकी कृपा काम कर रही है, आपके दिनों को आकार दे रही है, आपके भविष्य की तैयारी कर रही है, और आपको उद्देश्य के साथ आगे बुला रही है।

यह समय कई युवाओं के लिए खास तौर पर महत्वपूर्ण है। फरवरी अक्सर परीक्षाओं, करियर के फैसलों और जीवन के महत्वपूर्ण बदलावों की तैयारी का समय होता है। इस महत्वपूर्ण पडाव में, परमेश्वर आपको अपनी कृपा का एक विशेष माप प्राप्त करने के लिए आमंत्रित करता है। वह न केवल आपको आध्यात्मिक रूप से आशीष देना चाहता है, बल्कि आपको व्यावहारिक, बौद्धिक और कुशलता से उस बुलाहट के लिए तैयार करना चाहता है जो उसने आपके जीवन के लिए रखा है।

हमें कुशल क्यों होना चाहिए?

परमेश्वर का वचन नीतिवचन 22:29 में उसके दिल को साफ-साफ बताता है:

'क्या तुम किसी ऐसे व्यक्ति को देखते हो जो अपने काम में कुशल है? वह राजाओं के सामने सेवा करेगा; वह निचले दर्जे के अधिकारियों के सामने सेवा नहीं करेगा।'

यह पद परमेश्वर के दिव्य मानक को दर्शाता है। उसे उत्कृष्टता से खुशी मिलती है। वह चाहता है कि उसके बच्चे कुशल, मेहनती और अच्छी तरह से तैयार हों। कौशल सिर्फ प्रतिभा नहीं है; यह विकसित उत्कृष्टता है, जो प्रयास, अनुशासन और लगन से निखरी हुई है। ऐसे ही लोग हैं जिन्हें परमेश्वर ऊपर उठाता है, आशीष देता है, और अधिक प्रभाव के लिए स्थान देता है।

परमेश्वर चाहता है कि आप बढें। वह चाहता है कि आप खुद को बेहतर बनाएं, ज्ञान प्राप्त करें, शोध करें, गहराई से सीखें, और अपनी क्षमताओं को तेज

samuel@jesuscalls.org samueldhinakaranofficial

करें। वह आपको अपने कौशल को विकसित करने के लिए जानबूझकर प्रयास करने के लिए बुलाता है – लापरवाही से नहीं, बल्कि प्रतिबद्धता के साथ। जब आप ऐसा करते हैं, तो परमेश्वर आप पर अपनी बुद्धि, प्रकाशन और कृपा बरसाकर जवाब देता है।

बाइबल हमें छिपे हुए खजाने की तरह बुद्धि खोजने के लिए प्रेरित करती है। बुद्धि गलती से नहीं मिलती; इसे जुनून के साथ खोजा जाता है। चाहे पढाई हो, करियर हो, सेवा हो, या पेशा हो, परमेश्वर आपको ज्ञान और समझ प्राप्त करने के लिए आमंत्रित करता है ताकि आपकी परमेश्वर द्वारा दी गई महत्वाकांक्षाएं जीवन में आ सकें। जैसे-जैसे आप लगन से तैयारी करते हैं, हर जरूरी कौशल विकसित करते हैं, परमेश्वर आपके प्रयासों में अपनी कृपा जोडता है – और वह कृपा ही सारा फर्क डालती है।

हालांकि, पवित्रशास्त्र एक गंभीर चेतावनी भी देता है। नीतिवचन 13:4 कहता है:

'आलसी की आत्मा तरसती है और उसे कुछ नहीं मिलता, जबकि मेहनती की आत्मा को भरपूर मिलता है।'

आलस्य केवल बिना पूर्ति के इच्छा पैदा करता है। दूसरी ओर, मेहनत प्रचुरता लाती है। मेहनती व्यक्ति को भरपूर मिलता है, मानसिक, आध्यात्मिक और व्यावहारिक रूप से। परमेश्वर मेहनत का सम्मान करते हैं। वह उन लोगों को आशीष देते हैं जो विश्वास के साथ खोजते हैं, ढूंढते हैं और मेहनत करते हैं।

> "कौशल सिर्फ टैलेंट नहीं है; यह मेहनत, अनुशासन और लगन से निखारी गई उत्कृष्टता है"

तो सावधान रहें, मेरे दोस्त। साधारण चीजों से समझौता मत करो। सबसे निचले स्तर के लिए मुकाबला मत करो, चाहे वह सिर्फ परीक्षा पास करना हो, बस काम चलाऊ काम करना हो, या 'कोई भी नौकरी' से संतुष्ट रहना हो। परमेश्वर ने तुम्हें सिर्फ जिंदा रहने के लिए नहीं बुलाया है; उन्होंने तुम्हें श्रेष्ठ बनने के लिए बुलाया है। ऊँचा लक्ष्य रखे। राजाओं की सेवा करने का लक्ष्य रखें!

बाइबल हमें शक्तिशाली उदाहरण देती है। दानिय्येल और यूसुफ ऊँचे पदों पर संयोग से नहीं पहुँचे, बल्कि इसलिए कि उनमें श्रेष्ठता और बुद्धि की भावना थी। वे कुशल, अनुशासित और वफादार थे। परमेश्वर ने उस जोश का सम्मान किया और उन्हें शासकों की सेवा करने और राष्ट्रों को आकार देने के लिए ऊँचा उठाया।

एक बार मैं एक कार्यक्रम में एक युवक से मिला जिसने एक अद्भुत गवाही सुनाई। कई साल पहले, 2016 में, मैं एक फिल्म शूट के लिए एक छोटे से कैफे में गया था। उस समय, वह वहाँ सिर्फ एक वेटर था। उसने मुझे याद दिलाया कि मैंने उस मुलाकात के दौरान उसके लिए प्रार्थना की थी। उस दिन कार्यक्रम में, उसने गर्व से मुझे बताया कि उसने उस कार्यक्रम के लिए शानदार तीन-मंजलि केक बनाया था, जो एक बहुत अमीर परिवार द्वारा आयोजित किया गया था। समर्पण, जुनून और कडी मेहनत से, उसने अपने कौशल को निखारा था और एक बेहतरीन बेकर बन गया था। आज, वह अपना सफल व्यवसाय चलाता है। परमेश्वर ने सच में उसे समाज के शीर्ष लोगों की सेवा करने के लिए आशीष दी थी।

मेरे दोस्त, अब आप की बारी है। वही परमेश्वर जिसने उसकी मेहनत का सम्मान किया, वह आप के कौशल, शक्ति और श्रेष्ठता से आशीष देने के लिए तैयार है।

जब यीशु ने पतरस को बुलाया, तो उन्होंने उसे सिर्फ अपने पीछे चलने के लिए आमंत्रित नहीं किया, उन्होंने उसे एक उद्देश्य के लिए बुलाया। यीशु ने कहा, 'मेरे पीछे आओ, और मैं तुम्हें मनुष्यों को पकड़नेवाले मछुआरा बनाऊँगा।' पतरस ने तुरंत अपने जाल छोड दिए और एक बडी बुलाहट को अपनाया। जैसे-जैसे वह यीशु के पीछे चला, उसने सीखा, बढा और परमेश्वर का एक शक्तिशाली सेवक बनने के लिए जरूरी कौशल विकसित किए। उसकी आज्ञाकारिता और सीखने की इच्छा ने उसे बदल दिया।

आज, परमेश्वर आप को भी वही निमंत्रण दे रहा है। जैसे-जैसे तुम उसकी बुलाहट का पालन करोगे, वह आप के जीवन के उद्देश्य को पूरा करने के लिए जरूरी कौशल विकसित करेगा। वह आप श्रेष्ठ बनाएगा। परमेश्वर आप को आशीष दे।

प्रार्थना:

प्यारे प्रभु, आज मै आपकी कृपा प्राप्त करता हूँ। मुझे स्वगीय कौशल और मेरे सपनों और बुलाहट को पूरा करने के लिए जरूरी हर क्षमता से आशीष दें। मुझे जो कुछ भी मै करता हूँ, उसमें सबसे अच्छा बनने में मदद करें। जैसे डैनियल को दूसरों से ज़्यादा बुद्धिमान और श्रेष्ठ पाया गया, और जैसे पतरस को आपका अनुसरण करने से कृपा मिली, वैसे ही आज वही कृपा मुझ पर भी बनी रहे। मुझे एक बेहतरीन आत्मा, तेज समझ, दिव्य बुद्धि और कुशल हाथों से भर दीजिए। मुझे रचनात्मक विचार, साफ दिमाग और स्वर्ग से रहस्योद्घाटन प्रदान करें। मुझे अपनी पढाई, उनके काम और बुलाहट में चमकने दें। मुझे इस बात से आश्चर्यचकित करें कि आपकी कृपा मेरे अंदर कितनी शक्तिशाली रूप से काम करती है। मुझे महान ऊंचाइयों पर पहुंचने दें और एक कुशल और उत्कृष्ट व्यक्ति, उत्कृष्ट पेशेवर, के रूप में जाना जाए। सब आपकी महिमा के लिए, यीशु के नाम में, आमीन।

युवा आशीष योजना में शामिल होवें

बच्चे स्वर्ग के सौंपे हुए खजाने है, जिन्हें माता-पिता के हाथों में कोमल पौधों की तरह दिया गया है, जैसे माली को पौधे दिए जाते है। हर माता-पिता चाहते है कि ये छोटे जीवन परमेश्वर की कृपा में जड़ जमाएं, अनिश्चितता के तूफानों से सुरक्षित रहें, और परमेश्वर की भरोसेमंद देखभाल में मजबूत हों। यही सोच युवा आशीष योजना के दिल में है।

युवा आशीष योजना सिर्फ़ रजिस्टर में लिखा एक नाम नहीं है; यह एक दीये को स्टैंड पर रखने जैसा है ताकि उसकी रोशनी छिपी न रहे। यह अगली पीढ़ी को प्रार्थना से घेर लेता है, जैसे एक किला शहर को घेरता है, और चुने हुए लोगों जैसे इसहाक, यूसुफ, मूसा, दाउद्द और कई अन्य लोगों के जीवन की तरह, जिनके जीवन को उनके परिवार के विश्वास ने आकार दिया था। जब आप इस योजना में अपने विश्वास का बीज बोते है, तो आप एक ऐसा रास्ता तैयार कर रहे है जहाँ आपका बच्चा दानिय्येल की तरह बिना किसी समझौते के आगे बढ़ सकता है और परमेश्वर की महिमा में चमक सकता है। प्रार्थना में पला-बढ़ा जीवन एक ऐसे कंपास जैसा होता है जो सही उत्तर दिशा में कैलिब्रेटेड होता है, जो फैसलों को गाइड करता है, चरित्र की रक्षा करता है, और इच्छाओं को परमेश्वर की इच्छा के साथ सरेखित रखता है। ऐसे जीवन मसीह के जीवित पत्र बन जाते है, जिन्हें उनके आस-पास के लोग पढ़ते है।

यहाँ हमारे कुछ युवा सहभागियों की प्रेरणादायक गवाहियाँ है, जो उनके जीवन पर परमेश्वर के शक्तिशाली हाथ को दिखाती है:

मेरे विश्वास का सम्मान हुआ...

हालांकि 10वीं कक्षा की छात्रा के रूप में डर मुझ पर हावी हो गया था, लेकिन परमेश्वर ने मुझे युवा आशीष योजना और 2024 में परीक्षा सभा में धन्य संदेशों, आराधना और मध्यस्थता के माध्यम से घेर लिया। मैंने उस कैंपस में 500 में से 490 अंकों के लिए प्रार्थना की, और यिर्मयाह 33:3 के अनुसार। प्रभु ने जवाब दिया, मेरे कांपते दिल से डर दूर किया, अपनी उपस्थिति से मुझे आश्वासन दिया, और नई आशा के साथ पढ़ाई करने और हर परीक्षा लिखने के लिए अनुग्रह प्रदान किया। उनके सर्वशक्तिमान अनुग्रह से मेरे स्कूल ने फोन करके बताया कि मैंने ठीक 490 अंक प्राप्त किए है और स्कूल में दूसरी रैंक हासिल की है, जिससे जो असंभव लग रहा था, वह सबके सामने सम्मान का झंडा बन गया। बचपन से ही मैं डॉक्टर बनना चाहती हूँ, और अपने परिवार की परिस्थितियों के बावजूद मैं प्रार्थना करती रहती हूँ, 'मेरी नहीं बल्कि आपकी इच्छा पूरी हो,'यह विश्वास करते हुए कि वही परमेश्वर जिसने चमत्कार किए है, मेरे लिए मेडिकल सीट खोलेंगे, और मैं अंकल डॉ पॉल दिनाकरन और सभी यीशु बुलाता है मध्यस्थों को दिल से धन्यवाद देती हूँ जो मेरे जीवन में प्रार्थना के स्तंभ के रूप में खड़े है।

- स्माइलिन प्रियदर्शिनी, कुड्डालोर

जिस प्रभु ने इन युवा सहभागियों का अद्भुत तरीके से मार्गदर्शन किया, वह निश्चित रूप से आपके लिए भी और भी बहुत कुछ करेंगे। सुनिश्चित करें कि आप अपने बच्चों को इस योजना में नामांकित करें और इस महान मिशन में बीज बोने के लाभ प्राप्त करें।

अपने बच्चे को एनरोल करके, आप उन्हें ये बुनियाद दे रहे है:

भरपूर जीवन: यूहन्ना 10:10 से, हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे प्रभु उन्हें हर तरह के नुकसान से बचाएं जो आत्मा, मन और शरीर को प्रभावित करते हैं, ताकि वे उस भरपूर जीवन का आनंद ले सकें जो परमेश्वर उन्हें देना चाहते हैं।

जीतने के लिए पैदा हुए: जैसा कि 1 यूहन्ना 5:4 में है, आपके बच्चे पवित्र आत्मा की शक्ति से शिक्षा और सभी क्षेत्रों में दुनिया को जीतेंगे।

इस योजना में बढ़ने वाला हर बच्चा परेशान पानी पर बने पुल जैसा बने, दूसरों को यीशु में आशा तक पहुँचने में मदद करे और दुनिया को परमेश्वर को दिखाए।

आज ही अपने बच्चे का एडमिशन कराएं

उन्हें यीशु के हाथों में सौंप दें, जहाँ से उन्हें कभी छीना नहीं जा सकता (यूहन्ना 10:28)

दान करने के लिए: www.jesuscalls.org/donate/YPP

ईमेल: ypp@jesuscalls.org **(या) अपने नजदीकी यीशु बुलाता है प्रार्थना भवन पर जाएँ**

किसी भी अतिरिक्त जानकारी के लिए कॉल करें: +91 98409 00477

DONATE TO YPP

KIDS SECTION

Jim & Jemi

मन लगाकर पढाई करना परमेश्वर का सम्मान करना है

कहानी की सीख:
विश्वास के साथ मन लगाकर पढाई करने से परमेश्वर की कृपा और सफलता मिलती है।

याद करने के लिए वचन:
' जो कुछ तुम करते हो, तन मन से करो, यह समझ कर कि मनुष्यों के लिये नहीं परन्तु प्रभु के लिये करते हो।'
(कुलुस्सियों 3:23)

'कि तुम्हारा चाल चलन परमेश्वर के योग्य हो, जो तुम्हें अपने राज्य और महिमा में बुलाता है।'
(1 थिस्सलुनीकियों 2:12)

प्रिय, आप परमेश्वर की नजर में खास हैं। आपको पता होना चाहिए कि जब हम परमेश्वर को ढूंढते हैं या उसके काम करते हैं, तो वह हमें कितनी भरपूर आशीष देते हैं।

आप जो एस्तेर प्रार्थना समूह में प्रार्थना कर रहे हैं, आप साधारण लोग नहीं हैं। परमेश्वर ने आपको अपने राज्य और महिमा में योग्य चाल चलने के लिए दिव्य बुलाहट दिया है। आप परमेश्वर की नजर में खास हैं। आज, अपने बुलाहट की महिमा को न जानने के कारण, बहुत से लोग एस्तेर प्रार्थना समूह को नजरअंदाज.करते हैं और इसे करने में असफल रहते हैं। वे इस प्रार्थना सेवा को तुच्छ समझते हैं, और ऐसे बहाने बनाते हैं जैसे 'ओह, मेरा दूसरा कार्यक्रम है। मुझे दूसरी जगह जाना है' वगैरह।

प्रभु का भय

परमेश्वर के भय के साथ, आपको दी गई इस एस्तेर प्रार्थना समूह सेवा को जरूर करें। दुख की बात है कि बहुत से लोग इस सेवा की महिमा से अनजान हैं। आपको पता होना चाहिए कि जब हम प्रभु को खोजते हैं या उनके काम करते हैं तो प्रभु हमें कितनी भरपूर आशीष देते हैं। कुछ बहनें इस एस्तेर प्रार्थना समूह के शुरू होने के दिन से ही विश्वास और परमेश्वर के भय के साथ मेरे साथ प्रार्थना में शामिल होती हैं।

बाइबल में एस्तेर की किताब पढें! एस्तेर एक साधारण यहूदी महिला थी। उसे पूरी तरह से परमेश्वर की कृपा से रानी बनने का सौभाग्य मिला। हालाँकि, उसके सामने एक गंभीर समस्या आ गई। हामान नाम का एक दुष्ट आदमी था जो यहूदी लोगों को खत्म करना चाहता था। जब उसने यहूदियों को पूरी तरह से खत्म करने की साजशि रची, तो रानी एस्तेर ने अपने दोस्तों के साथ तीन दिनों तक परमेश्वर के चरणों में उपवास और प्रार्थना की। नतीजतन, प्रभु ने एक बडा चमत्कार किया और हामान और उसके परिवार को नष्ट कर दिया और यहूदी लोगों को विनाश से बचाया। इसी तरह, आज, हजारों लोग कई तरह से नष्ट हो रहे हैं। युवा लोग बर्बाद हो रहे हैं। प्यारे लोगों, प्रभु ने आपको चुना है कि आप ऐसे लोगों के लिए बीच में खडे.होकर प्रार्थना करें ताकि वे नष्ट न हों। एस्तेर की तरह, आपको अपने परिवार, या युवाओं या छोटे बच्चों के साथ प्रार्थना करनी है।

बाइबल में हम देखते हैं कि राजा हिजकिय्याह प्रभु के सामने विश्वासयोग्यता से चलता था। वह बीमार पड.गया और मौत के करीब पहुँच गया (2 राजा 20:2,3)। उस समय, प्रभु ने उसकी प्रार्थनाएँ सुनीं और उसकी जिंदगी में 15 साल और जोड.दिए। वह आपके लिए भी ऐसा ही करेगा।

1980 में, जब हमें एक भयानक समस्या का सामना करना पडा, तो मैंने एस्तेर की तरह उपवास और प्रार्थना

Stella Dhinakaran / stella@jesuscalls.org

करने का फैसला किया। हर मंगलवार को मैंने सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक उपवास रखकर प्रार्थना करना शुरू किया। उपवास के दिनों में, मैं कुछ भी नहीं खाती थी और पूरे दिल से प्रभु की उपस्थिति में विश्वास के साथ इंतजार करती थी। मैं बाइबिल पढती थी, उस पर मनन करती थी और प्रभु के चरणों में अपना दिल खोलकर रख देती थी। तीन हफ्ते बीत गए! जिस बात के लिए मैंने उपवास रखा था और उनके चरणों में प्रार्थना की थी, उस मामले में एक बडा चमत्कार हुआ। इसलिए, तब से लेकर आज तक, पिछले लगभग 45 सालों से, मैं हर मंगलवार को उपवास रखकर प्रभु के चरणों में इंतजार कर रही हूँ और उनसे प्रार्थना कर रही हूँ।

हम मत्ती 25:21 और लूका 19:17 में पढते हैं कि 'अगर तुम थोडी सी बातों में विश्वासयोग्य हो, तो मैं तुम्हें बहुत सी बातों का अधिकारी बनाऊँगा।' जब आप छोटी-छोटी बातों में भी प्रभु के सामने विश्वासयोग्य होते हैं, तो प्रभु आपको सेवा में और ज्यादा ज़िम्मेदारियाँ देंगे और आपको ऊपर उठाएँगे। मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। शुरूमें, मैंने प्रभु के लिए जितनी सेवा कर सकती थी, उतनी की। हालाँकि, मैं उसे करने में विश्वासयोग्य थी, जिसकी वजह से प्रभु ने मुझे और भी बहुत सारी सेवाएँ दीं और उसे बढाया है और आज तक मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं।

आज, कई परिवार बहुत सारी मुश्किलों का सामना करते हैं। हालाँकि, उन परीक्षाओं के दौरान प्रभु एक विजयी परमेश्वर के रूप में आपके साथ रहेंगे। क्या आप जानते हैं कब? जब आप प्रभु की बातों में विश्वासयोग्य होंगे! वह खुद आपकी विश्वासयोग्यता देखेंगे, उस परीक्षा में आपकी मदद करेंगे और आपको बचाएँगे। वह आपके लिए बचने का रास्ता भी बनाएँगे।

अमेरिका के अटलांटा में हन्ना नाम की एक बहन रहती है। सुनिए उनकी गवाही कि कैसे वह विश्वास से प्रार्थना करके आशीषें पाती हैं!

मेरा नाम हन्ना है। प्रभु हमारे परिवार को भारत से अमेरिका लाए और मेरे जीवन में बडे-बडे चमत्कार कर रहे हैं। अमेरिका आने के बाद, मेरे पति के पैरों में दर्द होने लगा। हमने इसे हल्के में लिया और सोचा कि यह अपने आप ठीक हो जाएगा। हालाँकि, जल्द ही वह चल नहीं पा रहे थे। हमने कई डॉक्टरों से सलाह ली। उस समय, हमारी प्यारी आत्मिक माँ श्रीमती स्टेल्ला दिनाकरन ने मेरे पति के लिए प्रार्थना करने के लिए मुझे फोन किया। उस समय उन्होंने मुझे अपने इलाके की महिलाओं को इकट्ठा करके प्रार्थना के लिए एक प्रार्थना समूह शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने मुझसे यह भी कहा कि मुझे इस बारे में प्रभु से पूछना चाहिए और वह मुझे सब कुछ बहुत अच्छे से सिखाएँगे। उस शाम, मेरे पति का एक दोस्त हमसे मिलने आया और उसकी पत्नी मुझसे बहुत फ्रेंडली थी और उसने मुझसे बहुत प्यार से बात की। मैंने यह बात उससे शेयर की। उसने मुझे बताया कि वह भी काफी समय से इसके लिए प्रार्थना कर रही थी और उसके कुछ दोस्त हैं और हम सब मिलकर एक समूह में प्रार्थना कर सकते हैं। उसी के अनुसार, हम सब एक साथ जुडे और प्रार्थना समूह को बहुत अच्छे से चलाया। प्रभु की उपस्थिति ने हममें से हर एक को बहुत ताकत से भर दिया। प्रभु ने मुझे उस प्रार्थना को इस तरह से करने की ताकत दी कि हम अगले महीने की मीटिंग के लिए उत्सुक थे। उसी शाम प्रार्थना के बाद, मुझे मेरे पति के इलाज के खर्च का मेडिकल बिल मिला। पहली किस्त लगभग 20,000 डॉलर थी, जो हमारी क्षमता से बाहर थी।मेरे पति ने कहा कि हमें अपने गाँव वापस चले जाना चाहिए और अमेरिका में जिंदगी हमारे लिए मुश्किल थी। मैने उनसे पूछा, 'क्या प्रभु ने मुझे यह सुंदर एस्थर प्रेयर ग्रुप सिर्फ मुझे वापस भारत ले जाने के लिए दिया है? वापस हॉस्पिटल जाओ और उनसे यह बिल एक बार फिर से चेक करवाओ। प्रभु कोई चमत्कार करेंगे।' तो मेरे पति वापस गए और संबंधित अधिकारियों को बिल दिखाया। तुरंत उन्होंने बिल लिया और उसे 200 डॉलर का कर दिया! मेरे पति को अपनी आँखों पर विश्वास नहीं हुआ। प्रभु ने एक ऐसा चमत्कार किया जो अकल्पनीय था! इस तरह, जैसे-जैसे हम प्रार्थना करते रहे, उन्होंने बहुत सारे चमत्कार करना शुरू कर दिया। कुछ लोग बच्चे की दुआ के लिए प्रार्थना मांगने आए। एक बहन, जो 38 साल की थी, ने अपनी शादी तय होने के लिए प्रार्थना मांगी। हमने उसे हिम्मत दी और हमारे साथ प्रार्थना करवाई। प्रभु ने चमत्कारिक रूप से उसकी शादी तय करवा दी।

इस समय जब कई चमत्कार हो रहे थे, मुझे बहुत सारे शैतानी हमलों का सामना करना पडा। उस समय, प्रभु ने मुझसे एक वचन के जरिए बात की, जो कहता है, 'कोई भी एक ताकतवर आदमी के घर में घुसकर उसका सामान कैसे लूट सकता है, जब तक कि वह उस ताकतवर आदमी को बांध न दे? और फिर वह उसके घर को लूट लेगा।' प्रभु ने यह वचन कितनी खूबसूरती से लिखा है! मैंने सोचा कि मुझे ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए और एस्थर प्रार्थना समूह शुरू करने से पहले एक तैयारी की प्रार्थना की और उस ताकतवर आदमी को बांधना शुरू किया और सभी की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की। तब से, मुझे प्रभु के साथ और करीब चलने का दिव्य आशीर्वाद मिला।

इसी तरह, जब मैंने पहली बार जूनियर एस्थर प्रार्थना समूह शुरू किया, तो मेरे बच्चों और मेरे प्रार्थना समूह की कुछ बहनों के बच्चों ने प्रार्थना की। नतीजतन, प्रभु ने उनकी पढाई को भी आशीर्वाद दिया।

आखिर में, हम अपना खुद का घर खरीदने के लिए संघर्ष कर रहे थे। प्रभु ने हमें एक सुंदर घर दिया और हमें आशीर्वाद दिया। इस तरह प्रभु हमें हर तरह से आशीर्वाद दे रहे हैं और हमें खुश कर रहे है।

इसलिए वह अमेरिका में रहकर परमेश्वर की सेवा कर रही है। आपको भी यह फैसला लेना चाहिए कि आप पूरी ईमानदारी से परमेश्वर को ढूढेंगे और पूरे दिल से उसकी सेवा करेंगे। तब परमेश्वर आपको भी वैसे ही आशीष देंगे जैसे वह उसे दे रहे हैं।

पवित्र बुलाहट

'जिसका मन तुझ में धीरज धरे हुए है, उसकी तू पूर्ण शान्ति के साथ रक्षा करता है, क्योंकि वह तुझ पर भरोसा रखता है।'

(यशायाह 26:3)

इसी के अनुसार, उसने प्रभु को मजबूती से पकडे रखा। इसलिए, प्रभु ने उसके लिए सब कुछ आशीर्वाद में बदल दिया। इसी तरह, अपने जीवन को पूरे विश्वास के साथ उसके पवित्र बुलाहट के लिए समर्पित करें।

बाइबल कहती है, 'पवित्रता तेरे घर की शोभा है' (भजन 93:5)। जब आप पवित्रता धारण करेंगे और जब आपकी बातें पवित्र होंगी, तो आप में एक दिव्य सुंदरता दिखाई देगी (नीतिवचन 31:30)। यह पहली बात थी जो प्रभु ने मुझे मेरे आध्यात्मिक जीवन की शुरुआत में सिखाई थी। प्रभु ऐसे पवित्र जीवन से प्रेम करते हैं (मलाकी 2:11)। जब आप अपने कपडों, व्यवहार और बातों में पवित्र होंगे, तो प्रभु आपसे प्रसन्न होंगे। निश्चित रूप से, आप उसके लिए एक ऐसा पात्र बन जाएंगे जो उसे प्रसन्न करता है (2 तीमुथियुस 2:21; इफिसियों 5:3,4)।

यीशु अक्सर मरियम और मार्था के घर जाते थे। मरियम, मार्था और लाजर यीशु से बहुत प्यार करते थे। मार्था खाना बनाने का काम संभालती थी। लेकिन मरियम प्रभु के चरणों से मजबूती से चिपकी रहती थी। यही सफलता का रहस्य है जो मैंने भी अपने जीवन में सीखा है। चाहे हमें कोई भी बीमारी हो या कोई भी कठिनाई हो, मैं तुरंत उसकी उपस्थिति में घुटने टेक देता था।

प्रिय, क्या आप बोझ और चिंता में हो? सबसे पहले घुटने टेकें। परमेश्वर से सभी बातों के बारे में बात करें। वह ऐसे परमेश्वर हैं जो आप जीत दिलाते हैं। वह आपकी प्रार्थनाएँ सुनेंगे और आपको जवाब देंगे। वह आपके परिवार की सभी समस्याओं को बदल देंगे। वह आपकी एक प्रार्थना योद्धा के रूप में उठने और चमकने देंगे (यशायाह 40:31)।

परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएंगे, वे उकाबों की नाईं उडेंगे, वे दौडेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे वह आपके पिता के राज्य में सूरज की तरह चमकाएंगे।

इसलिए, परमेश्वर की इच्छा के अनुसार, अपने जीवन को सम्मान के साथ उसे सौंप दें, एक प्रार्थना करने वाले के रूप में ताकि आप उसके राज्य और महिमा के लायक बन सकें और उनके लिए चमक सकें। एस्तेर प्रार्थना समूह में शामिल होकर भी परमेश्वर के नाम की महिमा करें और इस तरह उसकी इच्छा पूरी करें परमेश्वर आपके एक शानदार प्रार्थना योद्धा के रूप में उठने और चमकने दें, जो उसकी महिमा से भरा हो!

प्रतिदिन के सुवचन

फरवरी 2026

1 **यिर्मयाह 29:5 – तुम घर बनाओगे और उनमें रहोगे**
मनन: 2 शमूएल 5:11; 1 राजा 11:38; यहेजकेल 28:26

2 **हबक्कूक 3:18 – मेरे उद्धार का परमेश्वर**
मनन: अय्यूब 13:16; भजन 25:5; रोमियों 10:9,10

3 **भजन 140:12 – प्रभु हमारा पक्ष लेता है**
मनन: भजन 68:5; यहेजकेल 34:11; 1 पतरस 5:7

4 **1 शमूएल 1:17 – शांति**
मनन: मरकुस 5:25-34; यूहन्ना 20:19,26; फिलिप्पियों 4:7

5 **यिर्मयाह 31:14 – भलाई से संतुष्ट**
मनन: भजन 65:4; यिर्मयाह 32:42; प्रेरितों के काम 14:17

6 **यिर्मयाह 31:17 – प्रभु आप के बच्चों को आशीष देगा**
मनन: उत्पत्ति 22:17; नीतिवचन 20:7; यशायाह 54:13

7 **यूहन्ना 15:9 – परमेश्वर हमसे प्रेम करता है**
मनन: व्यवस्थाविवरण 23:5; यूहन्ना 13:34; इफिसियों 5:2

8 **सपन्याह 3:17 – परमेश्वर हमारे बीच में है**
मनन: भजन 46:5; यशायाह 12:6; योएल 2:27

9 **विलापगीत 3:24 – प्रभु हमारा भाग है**
मनन: गिनती 18:20; भजन 16:5; 73:26; यिर्मयाह 10:16

10 **व्यवस्थाविवरण 31:6 – बलवान और साहसी बनो**
मनन: यहोशू 1:6-9; भजन 31:24; प्रेरितों के काम 27:22-25

11 **रोमियों 8:28 – सब बातें भलाई के लिए मिलकर काम करती हैं**
मनन: उत्पत्ति 50:20; नहेम्याह 2:18; भजन 85:12

12 **अय्यूब 5:10 – प्रभु नम्र लोगों को ऊंचा करते हैं**
मनन: भजन 138:6; नीतिवचन 3:34; लूका 14:11

13 **1 राजा 9:3 – प्रभु आप की प्रार्थना सुनेंगे**
मनन: 2 इतिहास 30:20; एज्रा 8:23; यशायाह 38:5

14 **नीतिवचन 14:27 – प्रभु का भय मानें**
मनन: उत्पत्ति 22:11,12; भजन 128:1-4; नीतिवचन 28:14

15 **यिर्मयाह 33:6 – प्रभु स्वास्थ्य देंगे**
मनन: मलाकी 4:2; मत्ती 15:28; मरकुस 5:25-29

16 **निर्गमन 23:30 – आप बढ़ेंगे**
मनन: उत्पत्ति 26:12,13; 2 शमूएल 5:10; लूका 2:52

17 **आमोस 3:7 – वह अपने रहस्य प्रकट करते है**
मनन: लूका 8:17; इफिसियों 3:3,6; कुलुस्सियों 4:3,4

18 **भजन 37:23 – प्रभु हमारे मार्ग से प्रसन्न होते हैं**
मनन: व्यवस्थाविवरण 28:9; 1 राजा 3:14; 11:38; भजन 81:13

19 **मत्ती 21:22 – आप प्रार्थना में जो मांगोगे, वह आप को मिलेगा**
मनन: 1 इतिहास 4:10; मरकुस 11:24; यूहन्ना 16:24

20 **गलातियों 6:8 – अनन्त जीवन**
मनन: लूका 18:29,30; यूहन्ना 3:36; 1 यूहन्ना 5:11

21 **लैव्यव्यवस्था 26:6 – कोई डर नहीं**
मनन: यशायाह 14:3; यिर्मयाह 30:10; यहेजकेल 34:28

22 **योएल 2:25 – वह खोई हुई चीजों को वापस लाएगा**
मनन: उत्पत्ति 14:14-16; 1 शमूएल 30:8,19; यिर्मयाह 30:3

23 **1 कुरिंथियों 16:13 – विश्वास में मजबूत रहें**
मनन: प्रेरितों के काम 14:22; कुलुस्सियों 1:22; 2 तीमुथियुस 1:5

24 **इफिसियों 1:3 – हर आत्मिक आशीष**
मनन: यशायाह 11:2; रोमियों 8:26; गलातियों 5:22,23

25 **भजन संहिता 11:7 – प्रभु हमारी ओर देखता है**
मनन: अय्यूब 34:21; भजन 11:7; नीतिवचन 15:3

26 **होशे 14:6 – सुंदरता**
मनन: यशायाह 62:3; जकर्याह 9:16; प्रकाशितवाक्य 2:10

27 **याकूब 5:15 – विश्वास की प्रार्थना**
मनन: मत्ती 21:21; मरकुस 11:24; यहूदा 20

28 **नीतिवचन 22:9 – आप को आशीष मिलेगी**
मनन: उत्पत्ति 26:5; 28:14; व्यवस्थाविवरण 28:3-6; भजन 115:15

इन दैनिक आशीषों को नीचे दिए गए चैनलों पर देखें क्योंकि दिनाकरन परिवार इन सच्चाइयों को समझाता है और आपके साथ प्रार्थना करता है।

Website: www.jesuscalls.org/en/dpv
Facebook: Jesus Calls page
Youtube: Subscribe to JesusCalls

Family Channel Mobile App
Family Channel: Online at www.familychannel.org

Karunya
DEEMED UNIVERSITY
SOLVING HUMAN PROBLEMS
NAAC Accredited A++

Accreditation
CATEGORY 1 Institution UGC Act
A++ Grade
ACCA
NBA

Global Ranking
THE World University Rankings 2025

India Rating
IMPACT RANKING

Global Rating
QS STARS
QS STARS Rating

ADMISSION OPEN '26

GET UPTO 100% SCHOLARSHIP*

INDIA'S TOP RANKED UNIVERSITY...

Programs Offered at KARUNYA

B.Tech.

- **Aerospace Engineering**
- **Aerospace Engineering** Spl. Unmanned Aerial Vehicles
- **Aerospace Engineering** Spl. Artificial Intelligence & Machine Learning
- **Aerospace Engineering** Spl. Aircraft Maintenance
- **Artificial Intelligence & Data Science**

- **Biomedical Engineering**
- **Biomedical Engineering** Spl. Artificial Intelligence & Machine Learning

Powered by PHOENIX *– Advancing healthcare through innovation*

- **Biotechnology**
- **Biotechnology** Spl. Genome Engineering & Technology
- **Biotechnology** Spl. Artificial Intelligence
- **Civil Engineering**
- **Civil Engineering** Spl. Building Information Modelling and Digital Twin
- **Civil Engineering** Spl. Geospatial Technology

- **Computer Science & Engg.**
- **Computer Science & Engg.** Spl. Artificial Intelligence & Machine Learning
- **Computer Science & Engg.** Spl. Cyber Security
- **Computer Science & Engg.** Spl. Quantum Computing
- **Computer Science & Engg.** (Artificial Intelligence)
- **Computer Science & Engg.** (Artificial Intelligence & Machine Learning)
- **Computer Science & Engg.** (Cyber Security)

in collaboration with Google

- **Electronics & Communication Engineering**
- **Electronics & Communication Engineering** Spl. Artificial Intelligence & Machine Learning
- **Electrical & Electronics Engg.**
- **Electrical & Electronics Engg.** Spl. Artificial Intelligence & Machine Learning
- **Food Processing & Engineering**
- **Food Processing & Engineering** Spl. Internet of Things
- **Mechanical Engineering**
- **Mechanical Engineering** Spl. Artificial Intelligence & Machine Learning

- **Robotics & Automation**
- **Robotics & Automation** Spl. Artificial Intelligence & Data Science
- **Robotics & Automation** Spl. Artificial Intelligence & Machine Learning

with FESTO *– Global Leader in Industrial Automation*

M.Tech

- **Aerospace Engineering**
- **Artificial Intelligence & Data Science***
- **Biotechnology**
- **Biomedical Instrumentation**
- **Computer Science & Engg.**
- **Computer Science & Engg.** (Artificial Intelligence & Machine Learning)*
- **Cyber Security**
- **Food Processing & Engineering**
- **Robotics & Automation**
- **Structural Engineering**
- **Virtual Prototyping & Digital Manufacturing***
- **VLSI Design**

B.Sc.

- **Artificial Intelligence and Data Science**
- **Forensic Science**
- **Information Security and Digital Forensics**
- **Media Production and Digital Marketing**
- **Energy Science and Technology**

in partnership with AMARON

- **Semiconductor Technology**

Powered by edveon® *– India's Chipset Innovator*

- **Medical Laboratory Technology**
- **Radiography and Imaging Technology**
- **Operation Theatre and Anesthesia Technology**

B.Sc. (Hons.)

- **Agriculture**
- **Psychology**

M.Sc.

- **Agriculture** (Agronomy)
- **Agriculture** (Genetics & Plant Breeding)
- **Artificial Intelligence & Data Science**
- **Forensic Science**
- **Horticulture** (Fruit Science)
- **Biotechnology**
- **Food Science & Technology**
- **Masters in Public Health**
- **Masters in e-Health and Telemedicine Management**

B.Com.

- (Specialisation in Professional Accounting & Financial Technology)
- **Online B.Com.**

PG Diploma

- **Medical & Analytical Laboratory Technology** *in Association with* Microbiological Laboratory

Management

- **M.B.A.** *with* ZOHO *Integration*
  Gain real-world business skills using Zoho's leading enterprise tools
- **Online M.B.A.**

*AICTE approval awaited

Karunya Institute of Technology and Sciences,

Karunya Nagar, Siruvani Main Road, Coimbatore - 641 114. Tamil Nadu, India.
E-mail: admissions@karunya.edu • Website: www.karunya.edu

Toll Free: 1800 42 54 300, 1800 88 99 888

APPLY NOW!
Scan QR Code to Start the Admission Process

Printed by G.L.B.Ernest and Published by G.L.B.Ernest on behalf of Jesus Calls and Printed at Rasi Graphics Private Limited, DP 69-71-A, Sidco Industrial Estate, Thirumazhisai, Poonamallee Taluk, Thiruvallur District. and published at 16, Dr. D.G.S. Dhinakaran Salai, Chennai - 28, Editor: G.L.B.Ernest

राजमुंदरी में...

यीशु का प्रार्थना उत्सव

13-15 फ़रवरी 2026

(शुक्र- रविवार) शाम 6 बजे

स्थान:
मार्गानी एस्टेट मैदान,
गोरमपुडी, राजमुंदरी

पासवानों
एवं अगुवों की सभा
13 फरवरी 2026, (शुक्रवार) सुबह 9 बजे

सहभागी आशीष सभा
14 फरवरी 2026, (शनिवार) सुबह 9 बजे

स्थान: रॉक चर्च ऑफ़ इंडिया
रॉक सेंटर, कवलगोरया, राजमुंदरी, 533107,
पूर्वी गोदावरी जिला, आंध्र प्रदेश

चेन्नई में...

यीशु बुलाता है आशीष सभा

नंदमबक्कम

स्थान: पंचायत कार्यालय मैदान,
61,नंदमबक्कम, कुंद्राथुर

फरवरी 2026

21-22

(शनिवार-रविवार) शाम 6 बजे

2026
फरवरी
27,28
मार्च **1**
(शुक्रवार-रविवार) शाम 6 बजे

कन्याकुमारी में...

अरुमनै प्रार्थना महोत्सव

स्थान: अरुमनई
कन्याकुमारी जिला

सहभागी
आशीष सभा
28 फरवरी 2026, (शनिवार) सुबह 9 बजे

NPMA - पासवानों
एवं अगुवों की सभा
2 मार्च 2026, (सोमवार) दोपहर 2 बजे

स्थान: बेथेल मिशन चर्च
कट्टुथुरई, कन्याकुमारी 629158, के.के.जिला

सांगली में...

महाराष्ट्र प्रार्थना उत्सव 2026,

13-15 मार्च 2026

(शुक्र-रविवार) शाम 5:30 बजे

स्थान: कवलापुर एयर फ़ोर्स बेस मैदान,
तासगांव संगली रोड, सांगली,
तालुका मिराज,
सांगली जिला 416306 महाराष्ट्र

NPMA -पासवानों
एवं अगुवों की सभा
13 मार्च 2026, (शुक्रवार) सुबह 9 बजे

सहभागी आशीष सभा
14 मार्च 2026,
(शनिवार) सुबह 9 बजे

प्रार्थना करें, आएं और सहयोग दें

REGISTERED Newspaper PRGI No. TNHIN/2003/11592

बाहरी यात्रियों के लिए आवास सुविधाएं उपलब्ध हैं
पूर्व-पंजीकरण आवश्यक
आवास और अधिक जानकारी के लिए
94878 46545 / 9487846640

स्थान:
डॉ. डी.जी.एस. दिनाकरन केंद्र,
करुण्या नगर, कोयंबटूर 641114

SCAN FOR LOCATION